Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...
रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011
संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर
निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 14, अंक 295 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, मंगलवार 02 सितंबर 2025 | www.samaydarshan.in

अधिकारियों को राहत एवं पुनर्वास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

मुख्यमंत्री साय ने बस्तर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया हवाई और जमीनी सर्वेक्षण

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बस्तर संभाग के बाढ़ प्रभावित जिलों दंतेवाड़ा और बस्तर का हवाई सर्वेक्षण एवं जमीनी निरीक्षण किया। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति का प्रत्यक्ष अवलोकन किया और राहत एवं पुनर्वास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बाढ़ से प्रभावित प्रत्येक परिवार तक समय पर सहायता पहुँचना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए सभी स्तरों पर संवेदनशीलता तथा तत्परता आवश्यक है।

मुख्यमंत्री श्री साय दंतेवाड़ा के चूड़ीटिकरा पारा में बनाए गए अस्थायी राहत शिविर पहुँचे, जहाँ उन्होंने बाढ़ प्रभावित परिवारों से भेंट कर उनकी समस्याओं को सुना। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने प्रशासन को निर्देशित किया कि शिविरों में पर्याप्त भोजन, स्वच्छ पेयजल और सुरक्षित आवास की व्यवस्था निरंतर बनी रहे। उन्होंने कहा कि बाढ़ से प्रभावित सभी लोगों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जाए और उनके पुनर्वास के कार्य प्राथमिकता के आधार पर तेजी से किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि राहत शिविरों में सभी जरूरी व्यवस्थाओं के साथ-साथ प्रभावित परिवारों को राशन, बर्तन और कपड़े जैसे आवश्यक सामग्री भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने बाढ़ प्रभावितों को आवश्यकता अनुसार मकान की मरम्मत अथवा नए मकान निर्माण के लिए सहायता राशि समय पर देने के निर्देश दिए। श्री साय ने कलेक्टर एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों को बाढ़ से हुई फसल क्षति, पशुधन हानि सहित अन्य नुकसानों का शीघ्र आंकलन कर प्रभावितों को सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बाढ़ से क्षतिग्रस्त पुल का भी निरीक्षण किया और क्षेत्र की यातायात व्यवस्था तथा पुनर्निर्माण कार्यों की स्थिति का आकलन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रभावित गाँवों में सड़क, बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की शीघ्र बहाली सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राहत और पुनर्वास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाएँ कठिनाई अवश्य लाती हैं, परंतु प्रशासनिक तत्परता और जनसहयोग से इन कठिनाइयों का समय पर समाधान संभव है। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि राहत शिविरों और प्रभावित गाँवों में बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की विशेष देखभाल की जाए तथा स्वास्थ्य एवं शिक्षा से जुड़ी आवश्यक सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाए।

मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य शिविर का जायजा लिया

मुख्यमंत्री श्री साय ने यहाँ लगाए गए स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने मेडिकल टीम से दवाइयों की उपलब्धता, डॉक्टरों की तैनाती और मरीजों को दी जा रही प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने प्रभावित परिवारों से सीधे संवाद करते हुए यह भी पूछा कि क्या वे प्रशासन की मदद से संतुष्ट हैं। प्रभावितों ने जिला प्रशासन के त्वरित सहयोग पर संतोष व्यक्त किया। श्री साय ने बाढ़ प्रभावितों की स्वास्थ्य जांच, बीमारों के उपचार और आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता के बारे में मौजूद अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने स्थिति सामान्य होने तक बाढ़ प्रभावितों को शिविर में नियमित स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने बाढ़ के बाद संभावित उल्टी-दस्त तथा अन्य जलजनित मौसमी बीमारियों पर निरंतर निगरानी रखने और बचाव हेतु पेयजल स्रोतों का अनिवार्य रूप से क्लोरीनेशन करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री श्री साय ने आमजन को पीने के शुद्ध पानी का उपयोग करने, स्वच्छता एवं साफ-सफ़ाई बनाए रखने के लिए जागरूक करने पर बल दिया। उन्होंने नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों को प्रभावित वार्डों में नियमित साफ-सफ़ाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

पंजाब में बाढ़ से फसलें, मकान सब तबाह, फिर भी 'चढ़दी कला' में पंजाबी, एक कॉल पर जुटाए सवा करोड़ रुपए

जालंधर(एजेंसी)। भारी बारिश के कारण पंजाब के कई जिलों में लोगों के घर, फसलें आदि सब तबाह हो गए है। राज्य के 1312 गांव पूरी तरह से जलमग्न है। लोग अपने घरों की छत्तों पर बैठकर समय गुजार रहे है। वहीं, पंजाब के इन हालातों पर मदद के लिए कोई और नहीं ब्लकि खुद पंजाबी ही एकजुट हुए है।

लोगों की 3 लाख एकड़ में फसलें 5 से 15 फीट पानी में डूबी हैं, घरों के अंदर पानी है, सामान सब पानी बहा कर ले गया है। इतना कुछ होने के बावजुद भी पंजाबी 'चढ़दी कला' में है। वह इस आपदा को 'तेरा भाणा मीठा लागे' कहकर दिल को सकुन दे रहे है। बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए प्रशासन के साथ-साथ देश-विदेश में बसता पूरा पंजाब खड़ा हो गया है। बाबा नानक के किरत करो वंड छको के फलसफे पर चलते हुए 13-13 सोसाइटी के बाबा दीप सिंह सेवा दल ने रातोंरात एक फोन कॉल पर 1 करोड़ 35 लाख रुपए जुटा लिए है। वे बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए लगातार राशन और अन्य जरूरी सामान पहुंचा रहे हैं। जैसे ही पंजाब में बाढ़ के हालात बनने लगे तो बाबा दीप सिंह सेवा दल गढ़दीवाल एक्टिव हो गया। इन्होंने 13-13 सोसाइटी चला रहे बलजीत सिंह गिल भोगपुर से फोन पर बाढ़ में मदद का सहयोग मांगा। उनसे लोगों को निकालने के लिए नाव की मदद मांगी। इसके बाद गिल ब्रदर्स खुद इस काम में जुट गए। बलजीत गिल ने बताया कि जैसे ही मुझे फोन आया, उसके बाद मैंने अपनी दोनों बहनों, बुआ व चाचा के बेटे को फोन किया। वहीं, अपने ब्यास गांव के दोस्त को भी फोन किया। रात 12 बजे कॉल करना शुरू किया और सुबह 8 बजे तक 1 करोड़ 35 लाख रुपए का इंतजाम हो गया।

बाढ़ प्रभावितों की मदद के लिए पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री, बॉलीवुड से लेकर समाज सेवक आगे आ रहे हैं। कॉमेडियन कपिल शर्मा ने भी मदद का ऐलान किया है। सिंगर करण औजला, रणजीत बावा और सतिंदर सरताज की फाउंडेशन बाढ़ पीड़ितों को घर-घर जाकर जरूरी सामान पहुंचा रही है।

मोदी-पुतिन साथ चले तो कोने में खड़े देखते रह गए शहबाज शरीफ

एससीओ समिट में दिखी भारत की धमक

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के तियानजिन शहर में चल रहे शंघाई सहयोग संगठन (स्ष्ह) शिखर सम्मेलन में आज वैश्विक कूटनीति के कई दिलचस्प रंग देखने को मिले। एक तरफ जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच गर्मजोशी दिखी, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ बिल्कुल अलग-थलग नजर आए।सम्मेलन के दूसरे दिन सोमवार को एक ऐसा मौका आया, जिसने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एक-दूसरे से बातचीत करते हुए हॉल से गुजर रहे थे। दोनों नेताओं की बॉडी लैंग्वेज उनकी गहरी दोस्ती और मजबूत रिश्तों की गवाही दे रही थी। ठीक उसी समय, पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ एक कोने में हाथ बांधे अकेले खड़े थे और इन दोनों वैश्विक नेताओं को हसरत भरी निगाहों से देख रहे थे। इस दौरान किसी भी अन्य नेता को उनसे बातचीत करते या उन्हें तवज्जो देते नहीं देखा गया।

यह नजारा वैश्विक मंचों पर भारत के बढ़ते कद और पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति को साफ तौर पर बयां कर रहा था। इससे पहले आज पीएम मोदी, राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति शी जिनपिंग को भी एक साथ अनौपचारिक रूप से बातचीत करते देखा गया था, जो इस सम्मेलन की सबसे प्रमुख तस्वीरों में से एक रही।

भारी बारिश और तबाही के बीच हिमाचल आपदाग्रस्त प्रदेश घोषित

सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने विधानसभा में किया ऐलान

शिमला (एजेंसी)। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने विधानसभा में हिमाचल प्रदेश को आपदाग्रस्त प्रदेश घोषित कर दिया है। सीएम ने कहा कि प्रदेश में 21 अगस्त से मानसून सक्रिय हुआ। तब से आज तक प्रदेश के विभिन्न भागों में बारिश, बादल फटने, भूस्खलन की कई घटनाएं हुई। पिछले कई दिनों से हिमाचल में लगातार बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आगे भी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है।

सीएम ने कहा कि इस दौरान सबसे अधिक प्रभावित जिले, चम्बा, कुल्लू, लाहौल स्पीती, मंडी, शिमला, कांगड़ा, हमीरपुर हुए। उन्होंने कहा, 3 हजार 56 करोड़ का प्रारंभिक नुकसान का अनुमान लगाया गया है। सबसे अधिक नुकसान सड़कों, पुलों, पानी व बिजली की संरचनाओं को हुआ है। चंडीगढ़-मनाली फोरलेन सहित 5 नेशनल हाईवे और करीब 800 सड़कें बंद पड़ी हैं।

कुल्लू समेत 10 जिलों में सोमवार को स्कूल-कॉलेज बंद हैं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि सरकार द्वारा प्रदेश में आपदा से हुई त्रासदी के कारण आपदा प्रबंधन अधिनियम के प्रावधानों के तहत जिलों, राज्य व केंद्र सरकार के विभागों को राहत एवं बचाव कार्यों, आधारभूत ढांचों के पुनर्निर्माण कार्यों को युद्ध स्तर बहाल करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। सीएम सैनी ने कहा कि हिमाचल सहित सभी पहाड़ी राज्यों की पीड़ा, हमारी साझा पीड़ा है। यह सिर्फ भौगोलिक संकट नहीं, राष्ट्रीय चिंता का विषय भी है। क्योंकि ग्लोबल वॉर्मिंग की मार सबसे ज़्यादा पहाड़ों पर पड़ती है। समय रहते चेतना और कार्रवाई, आज की सबसे बड़ी ज़रूरत है। मैं केंद्र सरकार से आग्रह करता हूं कि अंधाधुंध निर्माण कार्यों पर रोक लगाएं। क्योंकि हमारे पहाड़ सिर्फ़ पर्यटन स्थल नहीं, जीवन-रक्षा के स्तंभ हैं।

सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि आपदा में घर, पशुधन और खेती-बाड़ी को भारी नुक़सान पहुंचा है। हमारी सरकार इस कठिन समय में प्रभावित भाइयों-बहनों के साथ खड़ी है। हम पुनर्वास के कार्य में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। बता दें कि आपदा प्रभावित राज्य होने का मतलब है कि प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति को गंभीर मानते हुए सरकार ने इसे विशेष श्रेणी में रखा है। राज्य को केंद्र सरकार और अन्य स्रोतों से राहत और पुनर्वास के लिए अतिरिक्त मदद और फंड मिल सकता है। राहत बचाव कार्य, पुनर्निर्माण और पीड़ितों की सहायता तेजी से की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट से विपक्ष को बड़ा झटका, ड्राफ्ट वोटर लिस्ट की समय सीमा बढ़ाने से इनकार

बिहार एसआईआर मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बिहार एसआईआर (में विशेष गहन पुनरीक्षण) मामले में विपक्षी दलों को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने ड्राफ्ट वोटर लिस्ट पर दावे और आपत्ति दर्ज करने की समय सीमा 1 सितंबर से आगे बढ़ाने की मांग को खारिज कर दिया है। हालांकि, कोर्ट ने आयोग के आश्वासन को रिकॉर्ड पर लिया कि 1 सितंबर की समय सीमा के बाद भी लोग अपनी आपत्तियां और दावे दर्ज कर सकेंगे।

आयोग ने स्पष्ट किया कि नामांकन की अंतिम तारीख तक मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने का काम जारी रहेगा। इस मामले में अगली सुनवाई 8 सितंबर को होगी।

चुनाव आयोग के वकील एकलव्य द्विवेदी ने कहा, आज की सुनवाई में दो याचिकाएं दायर की गई। मुख्य मांग थी कि आधार कवरेज को 65 प्रतिशत की बजाय सभी 7.2 करोड़ मतदाताओं तक बढ़ाया जाए और समयसीमा को भी बढ़ाया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों मांगों को खारिज कर दिया है। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने ईसीआई का डाटा नोट किया है कि 99.5 प्रतिशत लोगों का आवेदन हो चुका है और कोर्ट ने आयोग के आश्वासन को रिकॉर्ड पर लिया है कि 1 सितंबर की डेडलाइन के बाद भी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट को लेकर लोग अपनी आपत्ति या दावा पेश कर सकते हैं। उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने आधार की मांग को भी नकारा है। कोर्ट ने माना है कि आधार का उद्देश्य नागरिकता को साबित करने का नहीं बल्कि पहचान को साबित करने का है। आधार कार्ड को डेट ऑफ बर्थ का आधार माना जा सकता है। चुनाव आयोग ने कोर्ट को बताया कि ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जिला निर्वाचन अधिकारियों और बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है। समाचार पत्रों में विज्ञापन भी जारी किए गए हैं। आयोग ने कहा कि 1 सितंबर से 25 सितंबर तक दावे और आपत्तियां दर्ज करने के लिए पर्याप्त समय है और इसके बाद भी कोई रोक नहीं है।आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि 30 सितंबर के बाद भी आवेदन स्वीकार किए जाएंगे और सही दावों को मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने बिहार स्टेट लीगल सर्विस अथॉरिटी के चेयरमैन को निर्देश दिया कि वे पैरा-लीगल वॉलेंटियर्स को मतदाताओं की मदद के लिए नोटिफिकेशन जारी करें, ताकि दावे और आपत्तियां दर्ज करने में सहायता मिल सके।याचिकाकर्ताओं ने मांग की थी कि आधार कार्ड को स्वीकार करने का आदेश केवल 65 लाख लोगों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इस पर कोर्ट ने कहा कि यदि आधार कार्ड के कारण किसी का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हुआ, तो उनकी सूची 8 सितंबर को कोर्ट के समक्ष पेश की जाए।

कांग्रेस पार्टी अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करने की आदि हो गई है

मां का अपमान कांग्रेस की पहचान - शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव

दुर्ग (समय दर्शन)। दरभंगा की सभा में प्रधानमंत्री और उनके स्वर्गीय माताजी के लिए जिस प्रकार की अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया उसके मूल में स्वयं राहुल गांधी है यदि उनके हाल के भाषणों को विश्लेषण किया जाए तो स्पष्ट होता है कि पिछले कई दिनों से वह प्रधानमंत्री को तू कहकर संबोधित कर रहे हैं जो मर्यादा की पूरी तरह से अवहेलना है।कभी कांग्रेस का नारा था गली-गली कांग्रेस अब वही कांग्रेस पार्टी गाली वाली कांग्रेस बन गई है।बिहार की वही पावन भूमि जहां चाणक्य जैसे नीति निर्माता हुए बुद्ध जैसे विश्व गुरु प्रकट हुए और जहां से भाषा ज्ञान और संस्कृति की धारा पूरे विश्व मैं प्रभावित हुई है आज इस बिहार की जनता राहुल गांधी की भाषा को देख परख रही है और निश्चित ही इसका उत्तर भी देगी। छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के दुर्ग शहर विधायक गजेंद्र यादव ने जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की बिहार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबंध में प्रयोग की गई अभद्र भाषा की कड़ी आलोचना की गजेंद्र यादव ने कहा कि दरभंगा की सभा में प्रधानमंत्री और उनकी स्वर्गीय माताजी के प्रति जिस प्रकार की अभद्र और अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया गया उसके मूल में स्वयं राहुल गांधी है यदि उनके हालिया भाषणों का विश्लेषण किया जाए तो यह स्पष्ट होता है कि वह पिछले कई दिनों से प्रधानमंत्री को तू कहकर संबोधित कर रहे हैं जो शिष्टाचार और राजनीतिक मर्यादा की सीधी अवहेलना है।

हम शत्रु नहीं बल्कि वैचारिक रूप से विरोधी

गजेंद्र यादव ने कहा कि बिहार में राहुल गांधी की यात्रा के दौरान जिस प्रकार की भाषा का प्रयोग किया जा रहा है वह अत्यंत दुखद है लोकतंत्र में संवाद और सहमति के अपने आदर्श होते हैं सुषमा स्वराज के वे शब्द आज भी इस स्मरणीय है जब उन्होंने सदन में कहा था कि हम शत्रु नहीं बल्कि वैचारिक रूप से विरोधी हैं उन्होंने कहा आज स्थिति चिंताजनक है क्योंकि भाषा की मर्यादा लगातार तार तार हो रही है माननीय प्रधानमंत्री जी और लगभग 100 वर्ष की आयु में दिवंगत उनकी माता जी के प्रति जिस तरह की कटु अश्लील और अभद्र भाषा का प्रयोग की गई वह अत्यंत निंदनीय है कैबिनेट मंत्री श्री यादव ने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि जिस पार्टी ने कभी अपने आप को स्वतंत्रता संग्राम से जोड़ा और जिसे महात्मा गांधी जी की पार्टी कहा जाता था वही आज गाली वाली पार्टी बन गई यह वह तथाकथित नकली गांधी परिवार की पार्टी है जिसमें अधिकतर दिशा और अहंकार कूट-कूट कर भरा हुआ है उन्हें ऐसा लगता है मानो भारतवर्ष पर केवल उनका ही अधिकार हो यदि उनकी राजनीतिक सत्ता नहीं मिलती तो वह लोकतांत्रिक रूप से चुने गए नेताओं से गद्दी छोड़ने की मांग करते हैं और जब सत्ता हाथ नहीं आती तो वे जो लोकतांत्रिक रूप से चुने हुए व्यक्ति पर व्यक्तिगत और अपमानजनक भाषा तक प्रयोग करने से नहीं चुकते यहां तक कि उसे मां की गाली भी दे सकते हैं।कैबिनेट मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेंद्र यादव ने कहा कि बिहार वह धरती है जहां से चाणक्य का जन्म हुआ जहां से भगवान बुद्ध का संदेश प्रसारित हुआ जहां से भाषा ,ज्ञान और संस्कृति की धारा प्रवाहित हुई आज इस बिहार की जनता राहुल गांधी की भाषा को देख रही है, उसे परख रही है और समय आने पर उसका उत्तर भी देगी।

वोट चोरी का हाइड्रोजन बम आने वाला है.....पटना में राहुल गांधी का ऐलान

पटना (एजेंसी)। बिहार में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा का आज आखिरी दिन है. समापन रैली में अब राहुल गांधी ने बड़ा ऐलान कर दिया है. राहुल गांधी लगातार वोट चोरी को लेकर बीजेपी को घेरने का काम कर रहे हैं. इसी बीच उन्होंने अब कहा कि महादेवपुरा में हमने एटम बम गिराया था अब हाइड्रोजन बम आने वाला है. मोदी जी देश को चेहरा नहीं दिखा पाएंगे।

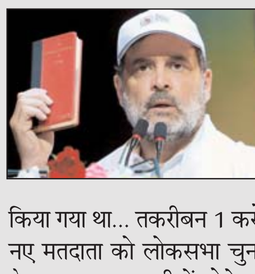

राहुल ने कहा ब्झ्क्क के लोग अच्छी तरह सुन लें आपने वोट चोरी का एटम बम देख लिया, अब वोट चोरी का हाइड्रोजन बम आने वाला है।कांग्रेस सांसद और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मतदाता अधिकार यात्रा को संबोधित करते हुए कहा, ...महाराष्ट्र में ह्ष्क्क कांग्रेस और शिवसेना से चुनाव को चोरी किया गया था... तकरीबन 1 करोड़ नए मतदाता को लोकसभा चुनाव के बाद मतदाता सूची में जोड़े जाते हैं... हमारे गठबंधन को जितने मत लोकसभा चुनाव में मिले उतने ही विधानसभा में मिले लेकिन सारे के सारे नए मत भाजपा के खाते में गए... क्यों? क्योंकि चुनाव आयोग और भाजपा ने मिलकर वोट चोरी की... बिहार के युवाओं से मैं कहना चाहता हूं कि वोट चोरी का मतलब अधिकारों, आरक्षण, रोजगार, शिक्षा, लोकतंत्र और युवाओं के भविष्य की चोरी। राहुल गांधी ने कहा, बिहार में एक नया नारा चला है वोट चोर गद्दी छोड़ जो लोगों को बहुत पसंद आ रहा है। चीन और अमेरिका में भी लोग बोल रहे हैं, वोट चोर गद्दी

राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा, ये पूरी यात्रा बहुत ही ऐतिहासिक रही है। पूरा पटना भर चुका है... आम आवाम जाग चुकी है जो अब इन बेइमानों को गद्दी से और सत्ता से हटाएगी। जो लोग लोकतंत्र की हत्या करना चाहते हैं। उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मतदाता अधिकार यात्रा को संबोधित करते हुए कहा, ...पीएम मोदी वोट चोरी के जरिए बिहार में जीतने का प्रयास कर रहे हैं। आपको सतर्क रहने की आवश्यकता है। अगर आप सतर्क नहीं रहेंगे तो ये लोग आपको डुबाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

बानबरद बाजार चौक में नव युवक गणेश उत्सव समिति बानबरद

श्री जागृति गणेशोत्सव समिति इंदिरा मार्केट दुर्ग

नशे के सौदागरों के खिलाफ सिंघोड़ा पुलिस एवं एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की अवैध मादक पदार्थ गांजा पर कार्यवाही

01 लग्जरी कार में अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी करते 03 अन्तर्राज्जीय तस्कर पुलिस की गिरफ्त में

सरायपाली नृपनिधी पाण्डेय (समय दर्शन)- एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की टीम के द्वारा अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी तथा एंड टू एंड एवं फइनेंशियल इनवेस्टिगेशन ,सोर्स प्वाइंट, डेस्टिनेशन प्वाइंट पर प्रभावी कार्यवाही, स्त्रोत के बारे मे विस्तृत जानकारी लेकर उनके विरूद्ध विधिसंगत विधिवत कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था। थाना सिंघोडा क्षेत्र में दिनांक 01/09/2025 मुखबिर से सूचना मिला कि तीन व्यक्ति एक सफेद कलर का एक्स यू वी कार क्रमांक आर जे 25 यू वी 0012 मे अवैध मादक गांजा रखकर उडिसा से छत्तीसगढ की ओर आ रहे है कि एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की टीम एवं थाना सिंघोडा पुलिस के द्वारा एन एच 53 रोड सिल्की ढाबा के सामने ग्राम गनियारीपाली आकर नाकाबंदी किया कुछ समय बाद मुखबीर के बताये हुलिया का एक सफेद कलर का एक्स यू वी कार क्रमांक आर जे 25 यू बी 0012 आया जिसमे तीन व्यक्ति सवार थे जिससे नाम पता पूछने पर अपना नाम (01) दीपक शर्मा पिता ब्रजमोहन शर्मा उम्र 39 साल साकिन नारेडा थाना व जिला बारा राजस्थान, (02) सुरेंद्र कुमार पिता देवलाल उम्र 34 साल साकिन वार्ड नंबर 09 आमापुरा बारा थाना व जिला बारा राजस्थान, (03) महावीर सेन पिता सत्यानारायण सेन उम्र 35 साल साकिन कुंज बिहार कालोनी बारा थाना व जिला बारा राजस्थान का निवासी होना बताये। टीम के द्वारा पूछताछ करने पर गोलमोल जबाब देने लगे लगातार पूछताछ करने पर वाहन के पीछे डिक्की में एक प्लास्टिक बोरी में गांजा रखना स्वीकार किये। आरोपीयों के द्वारा उक्त गांजा को फुलवानी उडिसा से बारा राजस्थान ले जाना बताये। भारी मात्रा में गांजा का परिवहन करने पर आरोपियो के कब्जे से 11 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमती 1,80,000 रूपये, 01 कार कीमती 5,00,000 रूपये एवं 04 नग मोबाईल कीमती 30500 रूपये कुल जुमला कीमती 7,10,500 रूपये जप्त कर थाना सिंघोड़ा अपराध धारा 20(ब) नारकोटिक्स एक्ट के तहत् कार्यवाही कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया

नेशनल चैंपियनशिप में महासमुंद के पैरा एथलेटिक्स खिलाड़ियों ने जीता 03 स्वर्ण, 01 रजत 01 कांस्य पदक

- अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी सुखदेव केंवट ने 400, 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता
- निखिल यादव ने 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता
- नीलम टंडन ने 400 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता
- देवमोती ने लॉन्ग जंप में कांस्य पदक जीता

महासमुन्द (समय दर्शन)। पैरालंपिक कमेटी ऑफइंडिया द्वारा 14वीं जूनियर एवं सब जूनियर नेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 दिनांक 29 से 31 अगस्त तक अटल बिहारी वाजपेई दिव्यांग खेल प्रशिक्षण केंद्र ग्वालियर मध्य प्रदेश में आयोजित किया गया, जिसमें महासमुंद जिले से कुल 05 खिलाड़ियों ने भागीदारी किया। फॉर्चून फाउंडेशन कर्मपटपर बागबाहरखुर्द बागबाहरा जिला महासमुंद के संस्थापक एवं राष्ट्रीय टीम के प्रशिक्षक एवं मैनेजर निरंजन साहू ने बताया कि 3 बालक एवं 2 बालिका खिलाड़ी एवं कोच मैनेजर व गाईड रनर देवेंद्र ठाकुर व मेघराज यादव, सहायक स्टॉफ दिव्य लोचन व रश्मि साहू शामिल हुए।

जूनियर पुरुष वर्ग - टी 11 कैटेगरी में सुखदेव ने 400, 1500 मीटर दौड़ में भागीदारी किया एवं 400 मीटर में स्वर्ण पदक एवं 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने में सफलता हासिल किया। टी 12 कैटेगरी में निखिल कुमार यादव ने 400 एवं 1500 मीटर दौड़ में भागीदारी किया एवं 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने में सफलता हासिल किया। टी 12 कैटेगरी में नोशन लाल पटेल ने 200, 400 व 1500 मीटर दौड़ में भागीदारी किया एवं 1500 मीटर दौड़ में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

सब जूनियर महिला - टी 12 कैटेगरी में नीलम टंडन ने 400 मीटर दौड़ में भागीदारी किया एवं रजत पदक जीतने में सफलता हासिल किया। टी 11 कैटेगरी में देवमोती ने लॉन्ग जंप में भागीदारी किया एवं लॉन्ग जंप में कांस्य पदक जीतने में सफलता हासिल किया। सभी खिलाड़ियों ने राज्य के लिए पदक जीतकर जिले व प्रदेश का नाम रौशन किया।

इससे पहले सुखदेव ने 7वीं ओपन इंटरनेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 11 से 12 जुलाई 2025 को बेंगलूरु कर्नाटका में 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता था।

राष्ट्रीय चैंपियनशिप में महासमुंद के 5 खिलाड़ियों को भागीदारी करने एवं 5 पदक जीतने पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह सहित अधिकारी कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री पर अभद्र टिप्पणी पर भाजपा का आक्रोश

बसना में सांसद व विधायक की अगुवाई में राहुल-तेजस्वी-मल्लिकार्जुन का पुतला दहन

बसना(समय दर्शन)। बिहार के दरभंगा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत माताजी के खिलाफ कथित रूप से की गई अभद्र टिप्पणी से उपजे आक्रोश के विरोध में,भाजपा ने सांसद रूपकुमारी चौधरी व बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन शहीद वीर नारायण सिंह चौक पर किया गया, जहां राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और तेजस्वी यादव का पुतला दहन कर तीव्र विरोध दर्ज कराया गया। इस दौरान कांग्रेस पार्टी मुर्दाबाद, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और तेजस्वी यादव मुर्दाबाद और मुंह काला जैसे नारे गूंज उठे।

अपमानजनक टिप्पणी पर भाजपा का रोष- बिहार के दरभंगा में आयोजित एक रैली में यूथ कांग्रेस से जुड़े आयोजक मोहम्मद नौशाद द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। इस घटना पर विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने अपनी कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए इसे शर्मनाक और निंदनीय करार दिया। उन्होंने कहा कि राजनीति में मतभेद तो होते हैं, लेकिन अभद्रता और अशोभनीय भाषा के लिए कोई जगह नहीं है।

मीडिया से बात करते हुए विधायक डॉ. अग्रवाल ने कहा कि भारत में मां को देवतुल्य माना जाता है। बिहार जैसे राज्य में, जहां छठी मैया की पूजा होती है और मातृत्व को सर्वोच्च सम्मान दिया जाता है, वहां प्रधानमंत्री की दिवंगत माताजी के लिए अपशब्दों का प्रयोग कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की नैतिक गिरावट को दर्शाता है।

इस विरोध प्रदर्शन में सांसद रुप कुमारी चौधरी, जिला उपाध्यक्ष रमेश अग्रवाल एवं जितेन्द्र त्रिपाठी, वरिष्ठ भाजपा नेता सतीश अग्रवाल,नगर पंचायत बसना अध्यक्ष डॉ खूशबू अग्रवाल, उपाध्यक्ष शीत गुप्ता, जनपद पंचायत बसना उपाध्यक्ष मोहित पटेल, पूर्व मण्डल अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, मण्डल अध्यक्ष नरेंद्र यादव, अभिमन्यु जायसवाल, अखिलेश भोई, कामेश बंजारा,पार्षदगण व पार्षद प्रतिनिधिगण सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण मौजूद रहे और उन्होंने पुतला दहन और नारों के माध्यम से अपना आक्रोश व्यक्त किया।

नंदिनी अहिवारा में पोरा तिहार का भव्य आयोजन, रैली व सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मोहा सबका मन

अहिवारा (समय दर्शन)। नंदिनी अहिवारा में 31 अगस्त 2025, रविवार को छत्तीसगढ़ की परंपरा और संस्कृति का जीवंत प्रदर्शन हुआ। पोरा तिहार इस बार नगर में अभूतपूर्व उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना और जोहार क्रांति पार्टी के संयुक्त तत्वावधान में विशाल रैली निकाली गई, जिसे देखने नगर के मुख्य मार्गों पर जनसैलाब उमड़ा पडा।

रैली शिवराम मंदिर, नंदिनी टाउनशिप मार्केट,अहिवारा मार्केट, बेरला रोड और संतोषी मंदिर मार्ग से होती हुई नगर पालिका कार्यक्रम स्थल तक पहुँची। पूरे नगर में पारंपरिक वाद्ययंत्रों की गूंज, झांकियों की भव्यता और सांस्कृतिक रंगों की झलक ने माहौल को छत्तीसगढ़ी उत्सव में बदल दिया।

आयोजन का शुभारंभ महतारी की पूजा-अर्चना से हुआ। इसके बाद दोनों पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। गाड़ा-बईला, दुर्गा नृत्य की झांकी और आस्था स्वरूप की प्रस्तुतियाँ आकर्षण का केंद्र रहीं। विशेष रूप से महिलाओं ने अपनी पारंपरिक नृत्य प्रस्तुतियों और देवी आस्था स्वरूप से श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया।

कार्यक्रम में जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री अमित बघेल,छत्तीसगढ़िया युवा क्रांति सेना के प्रदेश अध्यक्ष श्री शिवेन्द्र वर्मा,प्रदेश पदाधिकारी भूषण साह देवेंद्र नेताम वे यशवंत वर्मा मुख्य अतिथि रहे। मंच संचालन कमलेश मारकंडे और आशुतोष साहू ने किया। संयोजक गोवर्धन प्रसाद ताम्रकार ने बताया कि नगर की सांस्कृतिक धरोहर को आगे बढ़ाने हेतु यह आयोजन ऐतिहासिक रहा।

रात्रिकालीन कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी लोकगीत, नृत्य और मंचीय प्रस्तुतियों ने नगरवासियों को देर रात तक बाँधे रखा। नगर पालिका परिसर में महिलाओं को सम्मानित किया गया, जिसमें महिला रिक्शा चालक और स्थानीय कलाकार शामिल रहीं। इस पहल ने महिला सशक्तिकरण का संदेश समाज तक पहुँचाया।

अहिवारा नगर के नागरिकों ने इस आयोजन को छत्तीसगढ़ी संस्कृति और लोक परंपराओं का अद्भुत संगम बताया। भीड़-भाड़ और उत्साह से सराबोर नगर ने इस पोरा तिहार को यादगार उत्सव के रूप में संजो लिया।

कौशल साहू,धर्मेंद्र साहू,माधव साहू, परमेश्वर ठाकुर,गोवर्धन ताम्रकार,होमन सिंह ठाकुर मुकेश साहू,आशुतोष साहू,कमलेश मारकंडे बसंत साहू,पंकज लहरी,महेंद्र धुर्वे संतोष साहू,योगेश वर्मा,हितेश पटेल उत्तरा कुमार,ओमकार ठाकुर,कैलाश साहू,छोटू यादव,संजय जंघेल,आज़ाद सिवारे, घनश्याम साहू,ललित वर्मा, गौरव,आशीष यादव भीखम साहू,नोहर यादव,हितेश यादव,संजय ठाकुर,तरुण यादव,चंद्रकांत,कृष्ण साहू,पूर्णेश्वर दुबे महिला पदाधिकारी इंदु मारकंडे, पिंकी साहू, नितिन देवी, सावित्री साहू, रेवती साहू, डिग्नेश्वरी ताम्रकार वे अन्य पदाधिकारी और सेनानी जिनके सहयोग से ये आयोजन सम्पन्न हुआ7

भारतीय जनता युवा मोर्चा ने किया कचहरी चौक में राहुल गांधी का पुतला दहन

बार बार चुनाव हारने से बौखलाए कांग्रेसी कुछ भी बोल रहे है

पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल जी ने कहा कि बिहार में चुनावी रैली के दौरान कांग्रेस के मंच से देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी और उनकी माता जी को अभद्र गाली गलौज किया गया था,जिसके विरोध में प्रदेश भर में युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं के द्वारा पुतला दहन किया जा रहा है,इस प्रकार के कृत्य के कारण कांग्रेस छत्तीसगढ़ की तरह बिहार में भी चुनाव हारेगी। भाजपा के जिलाध्यक्ष अंबेश जांगड़े जी ने कहा कि भाजपा में युवा मोर्चा का सामान्य कार्यकर्ता भी अनुशासित पार्टी का कार्यकर्ता होने के नाते राजनीति में अभद्र भाषा का उपयोग नहीं करते लेकिन कांग्रेस का नेतृत्व करने वाले राहुल गांधी के द्वारा हमेशा इस प्रकार के अपशब्द का प्रयोग निंदा के योग्य भी नहीं है

युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष मुकेश जायसवाल ने कहा कि अगर राहुल गांधी और उसके कार्यकर्ता इस प्रकार दुराचार करके,अपनी ही नैय्या डुबाएंगे और भाजपा का कांग्रेस मुक्त भारत का नारा साकार होगा।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष गुलाब सिंह चंदेल जी,भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र देवांगन जी, महामंत्री नंद चौधरी जी, नंदिनी राजवाड़े की, जिला उपाध्यक्ष धनंजय सिंह जी,आशुतोष गोस्वामी जी, विकास शर्मा जी भाजपा मंडल अध्यक्ष हितेश यादव जीभारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष योगेश राणा जिला कोषाध्यक्ष सुधीर गर्ग जी, पलाश चंदेल,जांजगीर मंडल अध्यक्ष दिनेश राठौर,महामंत्री सोनू यादव,हरि सोनवानी,प्रदीप यादव,दिग्विजय सिंह,जांजगीर ग्रामीण मंडल अध्यक्ष गजेंद्र सिंह,चुन्नीलाल राठौर भूपेंद्र साहू,विवेक शर्मा,नवीन सोनी कालू सेन तथा बड़ी संख्या में ज्येष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित थे

बसना में आदि कर्मयोगी अभियान का शुभारंभ,विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने जनजातीय सशक्तिकरण पर दिया जोर

विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने किया 'आदि कर्मयोगी' अभियान का शुभारंभ,कहा-जनजातीय योजनाओं को मिलेगा नया आयाम

'पीएम जनमन' और 'धरती आबा' योजनाओं के साथ जनजातीय समाज को मिलेगा समग्र लाभ

बसना(समय दर्शन)। जनजातीय सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत महासमुंद जिला पंचायत के सभाकक्ष में 1 से 3 सितंबर तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का शुभारंभ बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। यह शिविर भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा संचालित आदि कर्मयोगी अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य जनजातीय बाहुल्य गांवों में सरकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।

अभियान का उद्देश्य और महत्व

विधायक डॉ. अग्रवाल ने अपने उद्घाटन भाषण में आदि कर्मयोगी अभियान को सेवा, संकल्प और समर्पण के मूल सिद्धांतों पर आधारित बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह अभियान एक राष्ट्रीय आंदोलन का रूप ले चुका है, जो सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र को साकार करता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस प्रशिक्षण से जनजातीय समुदायों को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिलेगा और अधिकारियों को उनकी समस्याओं को समझने का अवसर प्राप्त होगा।

प्रशिक्षण और क्रियान्वयन की रणनीति- इस तीन दिवसीय शिविर में जिले के पांचों विकासखंडों से चुने गए 50 मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन प्रशिक्षकों को राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर आदि कर्मयोगी के रूप में तैयार किया जा रहा है।

जनजातीय विकास के लिए एक

तीन-स्तरीय अभियान संरचना बनाई गई : विधायक डॉ संपत अग्रवाल

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने जनजातीय विकास को सुदृढ़ करने के लिए एक सुव्यवस्थित तीन-स्तरीय अभियान संरचना की जानकारी दी। इस संरचना में सबसे पहले आदि कर्मयोगी शामिल हैं, जो योजनाओं के क्रियान्वयन में मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं और प्रशासनिक स्तर पर समन्वय स्थापित करते हैं। दूसरे स्तर पर आदि सहयोगी आते हैं, जिनमें शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, चिकित्सक और युवा नेता शामिल हैं, जो ग्राम स्तर पर योजनाओं के प्रचार-प्रसार और लाभार्थियों तक पहुंच सुनिश्चित करते हैं। तीसरे स्तर पर आदि साथी होते हैं, जो वे लाभार्थी हैं जिन्हें योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है और जो इस अभियान के वास्तविक प्रभाव को दर्शाते हैं।

प्रमुख योजनाएं और उपलब्धियां- अपने संबोधन में विधायक डॉ. अग्रवाल ने अभियान के अंतर्गत चल रही दो प्रमुख योजनाओं का उल्लेख किया। पहली योजना है प्रधानमंत्री जनजातीय न्याय महाभियान (पीएम जनमन), जिसके तहत विशेष पिछड़ी जनजाति कमार के 940 परिवारों को आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, बैंक खाता और जाति प्रमाणपत्र जैसी मूलभूत सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं, जिससे उनकी सामाजिक और आर्थिक पहचान सशक्त हो सके। दूसरी योजना है धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान, जिसके माध्यम से जिले के 308 जनजातीय बाहुल्य गांवों में 17 मंत्रालयों की 25 योजनाओं का समन्वित लाभ सुनिश्चित किया जा रहा है। यह प्रयास जनजातीय समुदायों को समग्र विकास की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए एक संगठित और प्रभावी पहल है।

जनजातीय सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक पहल- विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने इस अभियान को जनजातीय सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने जनसमुदाय से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी का आह्वान करते हुए कहा कि मिलकर हम जनजातीय समाज को सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर बना सकते हैं।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार, अपर कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी सचिन भूतड़ा, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास शिल्पा साय सहित राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स, जनजाति समुदाय के प्रतिनिधि, विकासखण्ड स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स और स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे ।

संक्षिप्त समाचार

डकैती और फ़रारी के आरोपी धनी राम घृतलहरे गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर और महासमुंद जिले में डकैती, लूट और दो बार पुलिस हिरासत से भागने जैसे गंभीर मामलों में वांछित आरोपी धनी राम घृतलहरे को रायपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। चार वर्षों से फ़रार चल रहे इस आरोपी की गिरफ़्तारी एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और गोलबाजार थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में की गई। 30 वर्षीय धनी राम, टेकारी मोड़ (दलदलसिवनी), ब्लॉक-12, पीएम आवास का निवासी है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, उसके खिलाफ डकैती, लूट और पुलिस अभिरक्षा से फ़रारी के पांच आपराधिक मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं। आरोपी पर न्यायालय द्वारा स्थायी वारंट जारी किया गया था और उस पर नकद इनाम की भी घोषणा की गई थी। धनी राम पहली बार 19 मई 2021 को डीकेएस सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, रायपुर से इलाज के दौरान फ़रार हुआ था। इसके बाद 11 नवंबर 2021 को, तिल्दा नेवरा क्षेत्र से गिरफ्तारी के बाद रायपुर लाते समय, उसने पुलिस वाहन में तोड़फोड़ कर हमला किया और हथकड़ी सहित भाग निकला। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने तकनीकी विश्लेषण और सूचना तंत्र के माध्यम से आरोपी की लोकेशन की पुष्टि की। रायपुर में मौजूदगी का इनपुट मिलने पर पुलिस ने छापेमारी कर उसे दबोचा। भागने की कोशिश के दौरान उसे पैरों में चोटें आईं, जिसके बाद उसे हिरासत में लिया गया।

झाड़ियों में मिली अज्ञात लाश, भालू के हमले की आशंका

रायपुर। जिले के गुरुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नारागांव गांव में शुक्रवार सुबह सड़क किनारे एक अज्ञात शव मिलने से सनसनी फैल गई। ग्रामीणों को यह लाश सांकरा-नारागांव मार्ग के पास झाड़ियों में दिखाई दी, जिसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। घटना की खबर फैलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही गुरुर पुलिस टीम मौके के लिए रवाना हो गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार शव कुछ दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि क्षेत्र में भालुओं की सक्रियता पहले से रही है, ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि यह मौत जंगली जानवर, विशेषकर भालू के हमले का नतीजा हो सकती है। हालांकि, वास्तविक कारणों का खुलासा पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही संभव होगा।

सीमांकन कार्य में बाधा डालने पर सरपंच सहित कई लोगों पर मामला दर्ज

रायपुर। मंदिरहसौद थाना क्षेत्र में सीमांकन कार्य में बाधा डालने के आरोप में पुलिस ने सरपंच सहित कई लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। घटना 25 अगस्त को दोपहर के समय गोढ़ी स्थित रिम्स अस्पताल के पास की है, जहां राजस्व विभाग की टीम सीमांकन प्रक्रिया में जुटी थी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पटवारी अंजन मिश्रा की शिकायत पर गोपाल धीवर, मोनू बैस, डिकेश बैस सहित अन्य ग्रामीणों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने और कानून व्यवस्था भंग करने की कोशिश के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, राजस्व न्यायालय के निर्देश पर भूमि सीमांकन के लिए एक विशेष टीम गठित की गई थी। इसमें राजस्व निरीक्षक (आरआई) आर. के. साहू, तुलसीराम बंजारे, भुवनेश्वर वर्मा और पटवारी अंजन कुमार मिश्रा, ओम प्रकाश देवांगन, रसानंद बारिक, राजीव पटेल, अजय चंदेल, वीणा वर्मा शामिल थे। टीम दोपहर एक बजे सीमांकन कार्य के लिए मौके पर पहुंची थी। इसी दौरान कुछ स्थानीय लोग वहां आए और कार्य में बाधा पहुंचाने की कोशिश की। स्थिति को देखते हुए तहसीलदार विनोद साहू ने मौके पर पहुंचकर उपस्थित लोगों को समझाइश दी, लेकिन विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई।

शराब घोटाले में बड़ी कार्रवाई, दो आरोपी डायरेक्टर झारखंड जेल से रायपुर लाए गए

रायपुर। शराब घोटाले की जांच में तेजी लाते हुए आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने दो प्रमुख आरोपियों अतुल सिंह और मुकेश मनचंदा को झारखंड से प्रोडक्शन वारंट पर रायपुर लाया है। दोनों आरोपी ओम साईं बेवरेज कंपनी के निदेशक हैं और वर्तमान में झारखंड के रांची जेल में बंद थे। जानकारी के अनुसार, बुधवार देर रात दोनों को रायपुर लाया गया। ईओडब्ल्यू की टीम शुक्रवार को इन्हें रायपुर स्थित विशेष अदालत में पेश करेगी, जहां पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड की मांग की जा सकती है। अधिकारियों का मानना है कि पूछताछ के दौरान शराब घोटाले से जुड़ी कई अहम जानकारियां सामने आ सकती हैं। ईओडब्ल्यू में दर्ज आबकारी अपराध क्रमांक 04/2024 में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7ए और 12, साथ ही भारतीय दंड संहिता की धाराएं 420, 467, 468, 471 और 120बी के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस केस में इससे पहले कंपनी के मुख्य लाभार्थी विजय भाटिया को भी गिरफ्तार किया जा चुका है।

शिक्षा में मेंटरशिप सामाजिक न्याय और समान अवसर का मजबूत आधार

मेंटॉरशिप युवाओं को सशक्त करने की कुंजी है-चौधरी......

- शिक्षा में समानता को बढ़ावा देने और ड्रॉपआउट दरों को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम
- ड्रॉपआउट दर घटाने और युवाओं को कौशल से जोड़ने पर रायपुर में नीति आयोग की राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

रायपुर/ संवाददाता

नीति आयोग ने छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में Fostering Mentorship in EducationÑ A Pathway to Equity विषय पर राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की भावना को मूर्त रूप देते हुए शिक्षा व्यवस्था को अधिक न्यायपूर्ण और समावेशी बनाने में मेंटरशिप की भूमिका पर गहन विचार-विमर्श कर राष्ट्रीय फ्रेमवर्क बनाना है। विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और हितधारकों ने शिक्षा में समानता लाने, ड्रॉपआउट दर घटाने और युवाओं को अवसरों से जोड़ने के लिए अपने अनुभव साझा किए। विशेष अतिथि के रूप में वित्त मंत्री श्री ओ. पी. चौधरी ने कहा कि शिक्षा में समानता और सशक्तिकरण की दिशा में मेंटरशिप की भूमिका निर्णायक है। उन्होंने बताया कि यह कार्यशाला स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा और कौशल विकास पर केंद्रित है। यह साझा राष्ट्रीय ढांचा तैयार करने का अवसर है, जो विकसित भारत के सपने को साकार करने में मदद करेगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ की जनसांख्यिकीय ताकत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश की औसत आयु 28 वर्ष है, जबकि छत्तीसगढ़ की औसत आयु मात्र 24 वर्ष है। यह हमारी सबसे बड़ी शक्ति है, हमें युवाओं को अर्थव्यवस्था से जोड़ना होगा, ताकि वे विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान दे सकें। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने अपने जीवन अनुभव साझा करते हुए कहा कि मैंने गांव के सरकारी स्कूल में 10वीं और 12वीं तक पढ़ाई की, जहां बुनियादी सुविधाएं भी नहीं थीं। 17 वर्षों की औपचारिक शिक्षा के बाद भी अनेक युवाओं को यह स्पष्ट नहीं होता कि जीवन में आगे क्या करना है। कैरियर गाइडेंस और मेंटरशिप इस कमी को दूर कर सकती है। उन्होंने स्थानीय भाषा और संस्कृति आधारित शिक्षा पर बल देते हुए कहा कि बस्तर जैसे क्षेत्र के बच्चों के जीवन का जुड़ाव जंगलों और झरनों से है। उन्हें इसी के अनुरूप अक्षर ज्ञान देना चाहिए।

बिहान ने खोली आत्म निर्भरता की राह,फिरोजा बनी लखपति दीदी...

- परिवार की बनी आर्थिक मजबूती, तो गांव की महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत

रायपुर। संवाददाता

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत प्रदेश की महिलाएं अपनी मेहनत से आत्मनिर्भरता की रोज नई मिसाल पेश कर रही हैं। ऐसी ही कहानी विकासखंड अंबागढ़ चौकी की है, जहां कभी सीमित आय और संसाधनों के बीच संघर्ष करने वाली फ़िरोजा खान बिहान से जुड़कर लखपति दीदी बन चुकी है। आज उन्होंने न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाया, बल्कि अपने गांव और समाज में भी अपनी एक नई पहचान बनाई है। जिले के विकासखंड अंबागढ़ चौकी के छोटे से गांव चिल्हाटी की फ़िरोजा खान के जीवन में बदलाव की शुरुआत तब हुआ जब उन्होंने बिहान योजना के तहत जय माँ लक्ष्मी स्व-सहायता समूह से जुड़ने का फैसला लिया। पहले फ़िरोजा गांव-गांव व हाट बाजार में जाकर चूड़ी बेचने का कार्य किया करती थी। जिससे उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ता था। कड़ी मेहनत करने के बाद भी आमदनी बहुत कम होती थी। जिसके चलते उन्हें अपने परिवार के भरण-पोषण व घर की अन्य जरूरतों को पूरी करने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता था, लेकिन स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद, उन्होंने बैंक से एक लाख रुपए का लोन लेकर स्वयं का मनिहारी का दुकान खोला और उसका संचालन वह स्वयं करती हैं। फ़िरोजा खान बताती हैं कि पहले वह केवल चूड़ियां बेचा करती थी। पर जब से उन्होंने मनिहारी का दुकान खोला हैं, उन्होंने चूड़ियों के साथ-साथ श्रृंगार का सामान, सूई-धागे जैसे अन्य छोटी घरेलू सामान भी बेचना शुरू किया है। जिससे अतिरिक्त आय अर्जित हो रही है, अब वह हर माह 7 से 8 हजार रुपए बड़ी आसानी से कमा पा रही हैं।

6 माह बाद सुलझी हत्या की गुत्थी,आरोपी गिरफ्तार हुए...

रायपुर/ संवाददाता

जिले की चौकी कोतबा पुलिस ने 6 माह पहले पतराटोली, सराईकोना में हुई हत्या की गुत्थी को सुलझा लिया है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पोस्टमार्टम व फोरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर हत्या का खुलासा हुआ। बता दें कि प्रार्थिया श्रीमती विमला प्रधान, उम्र 48 वर्ष, निवासी ग्राम पंडरीडीपा, थाना सुंदरगढ़, जिला सुन्दरगढ़(उड़ीसा) जो कि मृतक विनोद भूइहर की बहन है, के द्वारा दिनांक 26.02.25 को चौकी कोतबा में रिपोर्ट दर्ज कराया गया था कि उसकी बहन के द्वारा फोन कर उसे सूचना दिया गया था कि भाई की मृत्यु हो गई है, जिस पर वह अपने परिजनों के साथ, अपने भाई मृतक विनोद भूइहर के गांव, चौकी कोतबा क्षेत्रांतर्गत पतराटोली, सराईकोना, आई, और देखा कि, उसका भाई मृतक विनोद भूइहर, बिस्तर पर मृत अवस्था में पड़ा है, उसके सिर में चोट लगा है, जिससे खून निकल रहा था। उसके कपड़े व हाथ से भी खून निकल रहा था, तथा घर वाले मृतक की अंतिम क्रियाक्रम की तैयारी कर रहे थे, अपने भाई की मृत्यु के कारण के संबंध में अपने भाई की पत्नी से पूछने पर, उसके द्वारा कोई जानकारी नहीं दी जा रही थी, जिस पर प्रार्थिया को अपने भाई मृतक विनोद भूइहर की मृत्यु के संबंध में संदेह होने पर, उसके द्वारा चौकी कोतबा में रिपोर्ट दर्ज कराया गया। रिपोर्ट पर चौकी कोतबा पुलिस के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए, मर्ग कायम करते हुए, ग्राम पतराटोली, सराईकोना जाकर, मृतक विनोद भूइहर के घर में शव का पंचनामा किया गया, प्रथम दृष्टिया मामला संदेहास्पद प्रतीत होने पर, पुलिस के द्वारा, डॉक्टर से शव का पोस्ट मार्डम कराया गया।

अंनत विहार कॉलोनी सिमरन रेसीडेंन्सी गणेश उत्सव समिति मोवा रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज की पत्रकारों से चर्चा

बस्तर में भारी बारिश सरकार राहत कार्य शुरू करे,मुआवजा दे-बैज...

रायपुर। संवाददाता

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि बस्तर में भारी बारिश से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। अनेकों मार्ग बाधित हो गए है, दर्जनों गांव डूब गए है, उनका बाकी जगहों से संपर्क टूट गया है लोगों के मकान गिर गए है, मवेशी बह गए है। कई जगह वाहनों के बहने डूबने की खबरें आ रही एक पर्यटक परिवार बह गया परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। जनता बाढ़ से बहुत परेशान है। हमारी मांग है सरकार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में तुरन्त राहत एवं बचाव कार्य शुरू करे। ग्रामीणों को हुए नुकसान का आंकलन कर तुरंत मुआवजा वितरित किया जाए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मुख्यमंत्री विदेश से निवेश लाने का दावा कर जापान और दक्षिण कोरिया के दौरे पर है। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद 4288 कंपनिया बंद हो चुकी है। महंगी बिजली, उद्योग विरोधी नीति के कारण राज्य के उद्योग दम तोड़ रहे है। यहां पूर्व में संचालित स्पंज आयरन, रोलिंग मिलें, राइस मिल, सहकारी शक्कर कारखानें सरकार की उपेक्षा और उद्योग विरोधी नीतियों के चलते बंद हो गए हैं। मुख्यमंत्री बताये ऐसे में कैसे राज्य में बाहर से निवेश आयेगा? सरकार बताये कि इतनी बड़ी संख्यायें कंपनियां बंद कैसे हुई है? प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि 16000 से अधिक नेशनल रूरल हेल्थ मिशन के कर्मचारी हड़ताल पर है।

खेतों से केबल तार चोरी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। जिले की थाना पचपेड़ी पुलिस ने खेतों में लगे मोटरपंप के केबल तार चोरी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। तथा उनके पास से चोरी किये गये केबल तार बरामद कर जप्त किया गया। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 28.8.2025 को ग्राम मानिक चौरी, ग्राम रैल्हा, ग्राम कुकुर्दीकेरा के प्रार्थियों ने थाने में आकर रिपोर्ट दर्ज कराया की खेत में लगे पंप के केबल तार को अज्ञात चोरों द्वारा दिनांक 27.8.2025 को चोरी करके ले गया है। रिपोर्ट पर थाना पचपेड़ी में पृथक पृथक 03 अपराध अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया । उक्त चोरी के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा चोरी करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है। जिसके परिपालन में आरोपियों के धरपकड़ हेतु थाना प्रभारी पचपेड़ी द्वारा टीम बनाकर कार्यवाही हेतु रवाना किया गया था। विवेचना के दौरान संदेही मनीष पटेल, सोहराब कुर्रे तथा रेमुन घृतलहरे को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ किया गया, जो चोरी करना स्वीकार किये। आरोपियों के कब्जे से तीनों प्रकरण में चोरी की गई पंप के केबलतार 330 फिट कीमती 15000 रुपया को जप्त किया गया।

अवैध शराब बिक्री करने वाले तीन विक्रेता गिरफ्तार

रायपुर। संवाददाता

कांकेर थाना पुलिस ने सार्वजनिक स्थान में शराब बिक्री करने जा रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से कुल 42 लिटर देशी महुआ शराब बरामद किया है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 29/08/2025 को जरिये मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम गढपिछवाडी चैक बायपास रोड एन एच 30 के पास दो अलग अलग व्यक्ति दो अलग अलग सफेद कलर के प्लास्टिक बोरी में दो दो लिटर वाली प्लास्टिक बाटलो में देशी महुआ शराब रख कर बेचने के लिये ग्राहक तलास रहें है कि मुखबीर के बताये स्थान पहुंच कर ग्राम गढपिछवाडी चैक बायपास रोड एन एच 30 के पास घेरा बंदी कर रेड कार्यवाही किये जिसमें दो अलग अलग व्यक्ति मिले जिसके हाथ में दो अलग अलग प्लास्टिक बोरी में दो दो लिटर वाली प्लास्टिक बाटल में देशी महुआ शराब मिला जिसका नाम पता पूछने पर अपना नाम 01. सिया राम नेताम पिता तुलसीराम नेताम उम्र 42 वर्ष जाति कलार निवासी तुमसनार थाना आमाबेडा जिला उत्तर बस्तर कांकेर 02. संदीप पांडे पिता रामसिंह पांडे उम्र 31 वर्ष जाति कलार निवासी तुमसनार थाना आमाबेडा जिला उत्तर बस्तर कांकेर का रहने वाला बताया जिसे मुखबीर सूचना से अवगत कराकर उसकी सहमति से तलाशी लेने पर सिया राम नेताम के पास एक सफेद कलर की प्लास्टिक बोरी के अंदर दो दो लिटर वाली 11 नग प्लास्टिक बाटलो में लगभग 22 लीटर देशी महुआ शराब एवं शराब ब्रिकी रकम 200 रुपया कुल किमती 2200 रुपया मिला।

आबकारी मंत्री श्री देवांगन ने विभागीय काम-काज की समीक्षा की

मंत्री ने आबकारी विभाग के 04 नवीन साफ्टवेयर लांच किया

- मदिरा के अवैध विक्रय और परिवहन पर नियंत्रण करना सुनिश्चित करें : आबकारी मंत्री श्री देवांगन

रायपुर/ संवाददाता

वाणिज्यिक कर (आबकारी) मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने आज यहां नवा रायपुर स्थित आबकारी आयुक्त के सभाकक्ष में आबकारी विभाग के काम-काज की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने आबकारी विभाग के चार नवीन साफ्टवेयर लांच किया, इनमें आईओएस मनपसंद मोबाईल एप्लीकेशन, सैलरी केलकुलेशन वेब एप्लीकेशन , सेव सुविधा मोबाईल एप्लीकेशन, टोल फ्री एप्लीकेशन शामिल है। आबकरी मंत्री ने बैठक में मंदिरा दुकानों की व्यवस्था सहित लायसेंस व्यवस्था, मार्केटिंग कार्पोरेशन, विभागीय संरचना प्रदेश में बार-क्लब की जानकारी, मंदिरा की गुणवत्ता सहित आबकारी राजस्व के संबंध में विस्तार से चर्चा हुई। मंत्री श्री देवांगन ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि छत्तीसगढ़ में अन्य राज्यों से मदिरा के परिवहन एवं ब्रिकी पर अंकुश लगाए और ऐसे व्यक्तियों के विरूद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित करें। संभाग में कार्यरत उड़नदस्ता की टीम निरंतर निगरानी कर रहें। मदिरा के विक्रय में ओवर रेट की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए और ग्राहकों को उनके पसंद की मदिरा उपलब्ध हो। श्री देवांगन ने कहा कि सीमावर्ती जिलों में बाहर की मदिरा की ब्रिकी न हो इस पर अधिकारी विशेष ध्यान दे। आबकारी मंत्री श्री देवांगन ने विभागीय गतिविधियों की समीक्षा एवं राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु कार्य योजनाओं की विस्तृत जानकारी

ली। उन्होंने अवैध मदिरा एवं मादक पदार्थों के निर्माण, संग्रहण, परिवहन और बिक्री पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए और अंतर्राज्यीय सीमाओं पर स्थित आबकारी थाना एवं जांच चौकियों में सतर्कता बढ़ाने और विशेष अभियान चलाने पर जोर दिया गया। बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि मदिरा दुकानों में उपभोक्ताओं की मांग के अनुरूप मदिरा की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर बिक्री नहीं हो। बैठक में अधिकरियों को निर्देशित किया कि मदिरों दुकानों में निर्धारित दर से अधिक दर पर ब्रिकी करते पाए जाने पर सक्त कार्यवाही की जाएगी। आबकारी विभाग के सचिव श्रीमती आर.शंगीता ने विभागीय गतिविधियों की प्रस्तुतिकरण के जरिए विस्तार से जानकारी दी। केबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने होटल एवं ढाबों में मंदिरा की अवैध बिक्री न हो इस पर विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। आबकारी मंत्री ने फार्म हाउसों में मंदिरा के अवैध संव्यवहार पर रोक लगाने के निर्देश दिए। इसके आलावा उन्होंने मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप मंदिरा दुकानों में सीसी टीव्ही कैमरा चालू रखने के निर्देश दिए, जिससे पारदर्शिता बनी रही। बैठक में आबकारी विभाग के विशेष सचिव देवेंद्र कुमार भारद्वाज, अपर आयुक्त श्री आशीष श्रीवास्तव, श्री पीएल साहू, श्री जी.के भगत, छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेज कॉरपोरेशन सहित विभाग के उपायुक्त, सहायक आयुक्त एवं जिला आबकारी अधिकारी उपस्थित थे।

संपादकीय

सरकारी फैसले से किसान नाराज

ये प्रकरण बताता है कि किस कदर कृषि एवं उद्योग क्षेत्र परस्पर विरोधी धरातल पर चले गए हैं। यह विकास की समग्र दृष्टि के अभाव का परिणाम है। स्वस्थ अर्थव्यवस्था में उत्पादन के विभिन्न क्षेत्रों के बीच साझा हित होते हैं। अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते की बातचीत में मुख्य अड़चन डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन की कृषि एवं डेयरी संबंधी क्षेत्र को अमेरिकी निर्यात के लिए पूरी तरह खोलने की मांग से आई। नरेंद्र मोदी सरकार का दावा है कि उसने किसानों के हित पर समझौता करने से इनकार कर दिया। मगर उसका खामियाजा कारखाना क्षेत्र को भुगतना पड़ रहा है। अमेरिका ने भारत पर भारी आयात शुल्क थोप दिया, जिससे निर्यात निर्भर उद्योगों के सामने बड़ी मुश्किल आ पड़ी है। मतलब यह कि नव-उदारवादी दौर में भारत ने विकास का ऐसा मॉडल अपनाया, जिसमें अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में अंतर्विरोध बढ़ता चला गया है। इसकी सबसे बड़ी मिसाल कपड़ा एवं वस्त्र उद्योग है। अमेरिकी बाजार में आई रुकावट के दुष्प्रभाव से राहत पाने के लिए कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्री ने सरकार से कपास पर आयात शुल्क को हटाने की मांग की। सरकार ने तुरंत ये मांग मान ली। 11 फीसदी का आयात शुल्क समाप्त कर दिया गया। 19 अगस्त से लागू इस फैसले का तुरंत असर हुआ। दो दिन के भीतर ही कॉटन कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने कपास के दाम में 1,100 रुपये प्रति कैंडी की कटौती कर दी। इस कारण वस्त्र उद्योग की लागत काफी कम हो जाएगी और वह अपने उत्पादों को अपेक्षाकृत सस्ती दर पर निर्यात कर सकेगा। मगर इस सरकारी फैसले से किसान नाराज हो गए हैं। उनके संगठन संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने इस कदम को कपास किसानों के लिए मौत की गारंटी बताया है। उसने पूछा है कि किसानों को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताने का प्रधानमंत्री का दावा अब कहां गया? एसकेएम ने इस कदम खिलाफ कपास पैदावार वाले क्षेत्रों में आंदोलन छेड़ने का एलान किया है। ये प्रकरण बताता है कि भारत में किस कदर कृषि एवं उद्योग क्षेत्र परस्पर विरोधी धरातल पर चले गए हैं। यह विकास की समग्र दृष्टि के अभाव का सूचक है। स्वस्थ अर्थव्यवस्था में उत्पादन के विभिन्न क्षेत्र के बीच साझा हित होते हैं। मगर ऐसा तब होता है, जब आर्थिक नियोजन की जरूरत समझी जाती हो। आज तो नियोजन शब्द से ही शासक वर्ग को गुरेज है। नतीजा सामने है।

खोटा बनाम मोटा सवाल

कर्ज की सांसों में भी नखरे बहुत, सुना है सोने के चम्मच से ऑक्सीजन पीते हैं। विधानसभा में मोटे और खोटे सवालों पर खूब चर्चा होती रही है। मोटे तो वही जिन पर सरकार के उत्तर विपक्ष को निरुत्तर कर दें या विपक्ष बहिष्कार के माध्यम से खुद को दर्ज कर ले, लेकिन खोटे प्रश्न विधानसभा अध्यक्ष की अदालत में नाकारा हो रहे हैं। मसलन विधायक सुधीर शर्मा के विशेषाधिकार हनन नोटिस के छिलके उतारे गए, तो नियमों के हवाले और नियमों के दायरे फैल गए। दरअसल सोशल मीडिया की गफलत में विधानसभा की रुह समय से पहले ही बाहर आ रही है। मीडिया के सोशल पक्ष में हर विधायक रिपोर्टर बनना चाहता है और इस तरह असंपादित अंश की कचहरी में हर विधानसभा क्षेत्र अब सीधे संबोधित होने लगा है। जाहिर है सोशल मीडिया के मार्फत छोटे सवाल को मोटा बनाने की होड़ चली है। सदन की भाषा, देह भाषा, संदर्भों की मात्रा और अपने-अपने तर्कों से आशा बढ़ी है। एक ओर सरकार है जिसे अपनी छवि के तहत बहुत कुछ कहते हुए कोरा-कोरा कहना है, तो विपक्ष सदन के बाहर अपनी फील्ड की तैयारी को सदन के भीतर बताना चाहता है। इसका एक उल्लेख हम भीतर बैठे राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी और उनके विभागीय उत्तरों से दिशाओं का बोध कर सकते हैं। सवाल भाजपा के विक्रम ठाकुर और राकेश जम्बाल की ओर से पूछे जाने थे, लेकिन बहिष्कार की चुप्पियों ने सदन की परंपराओं से विरोध कर दिया। जनता के लिए प्रश्न खामोश थे, वहां गूंज रहे थे सियासी मंसूबे। किसके सामने कौन, कितने पानी में सत्ता या विपक्ष और किसके फरमान में संविधान के संबोधन सही हो जाएंगे, इसका न कोई हिसाब और न कोई मुखबिर, क्योंकि जनता इस परिदृश्य में न मेजबान और न ही जजमान बन सकती। इस सबके बीच हिमाचल अपने लिए मोटे सवाल लेकर बैठा रहा। सुबह से शाम और एक जवाब आया जब भरमौर से विधायक डा. जनकराज को उत्तर मिला कि 31 जुलाई 2025 तक, न उनका-न मेरा, बल्कि हम सभी का हिमाचल 98182 करोड़ रुपए का कर्जदार हो चुका है। अब सिर्फ 1818 करोड़ लोन लेकर हमारा यह प्यारा सा राज्य एक लाख करोड़ के उधार के नीचे गोटियां खेलेगा। आश्चर्य होता है कि हमारे सिंहासन, हमारे सवाल, हमारी वकालत, हमारी अदालत और हमारी इबादत खुद को बेहतर साबित करने में जुटी है, जबकि हर तरफ उधार के कंकाल लटक रहे हैं। उधार की किश्ती में सोना ढोने वाले, फकीर की बस्ती तक नहीं पहुंच पाएंगे। ये दरिया नहीं, दलदल है, धंसने के बाद निकल नहीं पाएंगे। इस हमाम में कई सरकारें और कई सियासी जादू कुर्बान हैं। एक लाख करोड़ ऋण उठाकर भी हमने बांटी है हस्तियां, सरकारी नौकरी में जाली अर्जियां। हम ऋण उठाकर कर्मचारी वर्ग को उठाते रहे। एचआरटीसी की खाली बसों से निजी बसों की क्षमता को हटाते रहे। ऐसी कौनसी अधोसंरचना है जो उधार की प्रासंगिकता में हमें कभी जीवनदान दे देगी। हमारे खाली पर्स में उधार की रसीदें हैं और सामने एक नए ऋण की खोज में अर्जियां ही अर्जियां। कर्ज के हिसाब में हमारे बजट में मूल धन व ब्याज की अदायगी के ग्यारह हजार करोड़ का प्रावधान भी एक फांस है, दिन में तारे खोज लाने की। अब वित्तायोग से आशा भरी निगाहों से देखने के अलावा हमारे पास और क्या चारा बचा है। क्या राजस्व घाटा अनुदान की भरपाई फिर से सही मिकदार में शुरू हो पाएगी। क्या जीएसटी से हुए घाटे की भरपाई में फिर से कोई दलील सामने आएगी। वित्तीय व्यवस्था के इस दौर में मितव्ययता के प्रश्न कौन उठाएगा। हैरानी यह कि एक लाख करोड़ के कर्ज के बावजूद कर्मचारी वर्ग की नाराजगी दूर नहीं होती, बेरोजगार की आशा पूरी नहीं होती और न ही हमारे नखरे काबू में रहते हैं। मुश्किल भरी यह हकीकत न हमारे आंसुओं में है और न ही हमारे संकल्पों के रास्तों पर खड़ी है।

ट्रंप टैरिफ ने स्वदेशी का भाव जगा दिया

डॉ. आशीष वशिष्ठ

हर व्यक्ति के जीवन में कभी न कभी तरक्की पाने या आगे बढने का अवसर जरूर आता है। कुछ इसका पूरा फायदा उठाते हुए इतिहास के पन्नों पर तरक्की और कामयाबी के नये अध्याय लिखते हैं। तो वहीं कुछ लोग उसे कठिनाई के रूप में देखते हुए उससे अपना पीछा छुड़ा लेते हैं। दरअसल, हम जिसे आपदा समझते हैं, उसमें भी एक अवसर छिपा रहता है। बुद्धिमान लोग ऐसे अवसरों को पहचान कर उससे मनचाहा लक्ष्य प्राप्त करते हैं। ऐसी आपदाएं किसी देश के जीवनकाल में भी आती हैं। अगर शासन की बागडोर समझदार, राष्ट्रभक्त और दूरदर्शी नेता के हाथों में हो तो वो किसी भी आपदा को अवसर में बदल कर इतिहास में अपना नाम दर्ज करवाता है।

आज भारत के सामने ट्रंप टैरिफ की आपदा मुंह बाए खड़ी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। इसमें रूस से तेल खरीदने पर लगने वाला 25 फीसदी जुर्माना भी शामिल है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ को लेकर की जा रही मनमानी के आगे भारत ने घुटने टेकने से साफ मना कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस आपदा को अवसर की तरह देख रहे हैं। साथ ही भारत पूरी दुनिया को बता रहा है कि वह एक मजबूत देश है और दुनिया के तमाम देश उस पर भरोसा करते हैं। उसी क्रम में पीएम मोदी ने 29 अगस्त को जापान की धरती से बड़ा संदेश दिया है। पीएम मोदी ने कहा है, 'अब पूरी दुनिया सिर्फ भारत को देख ही नहीं रही, बल्कि उस पर भरोसा भी कर रही है।'

ट्रंप टैरिफ ने भारत के सामने नई चुनौती रखी है। वहीं तस्वीर का दूसरा रूख यह है कि ट्रंप टैरिफ भारत को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देता है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान दिल्ली के लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, हमें आत्मनिर्भर बनने की जरूरत है। लेकिन हताशा में नहीं बल्कि खुद पर गर्व करते हुए. दुनिया भर में आर्थिक स्वार्थ बढ़ रहा है और हमें अपनी मुश्किलों का रोना नहीं रोना चाहिए। हमें इनसे ऊपर उठकर दूसरों के चंगुल से बचना होगा। बीते दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में सुजुकी मोटर्स के कार्यक्रम में स्वदेशी की पुरजोर वकालत और उसकी नई व्याख्या से लोगों को चौंका दिया है। उन्होंने कहा, 'पैसा किसका लगता है...वो डॉलर है, पाउंड है, वो करंसी काली है, गोरी है, मुझे कोई लेना-देना नहीं है। पैसा किसी का, पसीना हमारा। पैसा कहीं से आए, पसीना यहां का लगे।'

जहां तक आत्मनिर्भरता की बात है तो तमाम प्रधानमंत्री उसका जिक्र करते रहे हैं। लालबहादुर शास्त्री ने तो अमेरिकी कानून पीएल 480 के तहत आने वाले गेहूं का आयात बंद कर दिया था क्योंकि अमेरिका इससे भारत की विदेश नीति प्रभावित करने की कोशिश में था। अमेरिकी गेहूं का आयात बंद होने से ही हरित क्रांति का रास्ता खुला और देश अनाज के उत्पादन में आत्मनिर्भर हो सका। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी स्वावलंबन के इस नारे को आगे बढ़ाया। लेकिन स्वदेशी को आंदोलन बनाने की घोषणा किसी ने नहीं की। वे बदलती दुनिया के साथ कदमताल को जरूरी मानते थे।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की कोशिशें अब भी जारी हैं। लेकिन इसमें सबसे बड़ा रोड़ा भारत की विदेश नीति को पूरी तरह बदलने की ट्रंप की जिद है। कृषि क्षेत्र को ज्यादा से ज्यादा खोलने जैसे मुद्दे भी रुकावट बने हुए हैं। अमेरिका सिर्फ व्यापार नहीं करना चाहता, वह एक ऐसा पार्टनर चाहता है जो उसके सहायक की भूमिका में हो। वह चाहता है कि भारत, रूस या दुनिया के बाकी देशों से व्यापार ही नहीं सामरिक संबंध भी उसकी मर्जी के हिसाब से तय करे। जाहिर है कि भारत, पाकिस्तान की तरह उसका पिछलग्गू नहीं बन सकता। ऐसे में अपने फैसले खुद लेने की आजादी और राष्ट्रीय गौरव बरकरार रखने की सोचते समय स्वाधीनता संग्राम को याद करना और स्वदेशी का ध्यान आना स्वाभाविक ही है।

जानकारों के मुताबिक केंद्र सरकार को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में ज्यादा से ज्यादा कदम उठाए जाने चाहिए। छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन देना चाहिए। कृषि उत्पादों में नयी तकनीक लगाकर किसान की मदद करके नए बाजारों तक पहुचाएं। घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहन दें। हमें शिक्षा और ग्रामीण विकास पर ध्यान देना होगा। भारत को कृषि क्षेत्र और कुटीर उद्योगों पर ध्यान देना चाहिए। अगर ग्रामीण स्तर पर उत्पादन बढ़ेगा तो आयात कम होगा और रोजगार भी बढ़ेंगे। आत्मनिर्भरता केवल उद्योग से नहीं, बल्कि स्थानीय संसाधनों के सही इस्तेमाल से संभव है। यह अवसर है जब स्टार्टअप और एमएसएमई को नीतिगत समर्थन दिया जाए। अगर छोटे और मध्यम उद्योगों को सस्ता ऋण और तकनीकी मदद मिले, तो वे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं। यही भारत को नई आर्थिक ताकत देगा। यह समय है कि हम विदेशी आयात पर निर्भरता कम कर अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाएं। सरकार को उद्योगों को प्रोत्साहन देना चाहिए ताकि मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत को सशक्त आधार मिले। यही विकास का स्थायी रास्ता होगा।

पीएम मोदी ने अमेरिका को साफ संदेश दे दिया है कि भारत किसी भी दबाव में झुकने वाला नहीं है। इसी बीच जर्मन अखबार फ्रैंकफर्टर ऑलगेमाइन जितुंग ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि भारत पर टैरिफ लगाने के बाद ट्रंप ने पीएम मोदी को 4 बार कॉल किया, लेकिन उन्होंने रिसीव ही नहीं किया। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि ट्रंप के टैरिफ से नाराज भारत सरकार अमेरिका से कोई आसान डील नहीं करना चाहती। हेंड्रिक अंकेनब्रांड, विनांड वॉर्न पीटर्सडॉफ, गुस्ताव थाइले ने लिखे अपने लेख में कहा कि यह भारत सरकार की बदली हुई नीति का उदाहरण है। अमेरिका से नाराज होकर भारत, चीन और रूस से अपने संबंध बेहतर बनाने में जुट चुका है। वर्तमान में प्रधानमंत्री मोदी जापान और चीन की यात्रा पर हैं।

कोरोना महामारी के दौरान जब वैश्विक सप्लाई चेन टूट गई थी, तब भी देश ने आत्मनिर्भरता का महत्व समझा। अब डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ कदमों ने भी भारत को यह सिखाया है कि हमें अपने उद्योगों, किसानों और तकनीक को आत्मनिर्भर बनाना ही होगा। आत्मनिर्भर बने बिना आर्थिक और तकनीकी आजादी असंभव है। आज भारत में बनी कारें और इलेक्ट्रॉनिक सामान दुनिया भर में छा रहे हैं। रक्षा से लेकर डिजिटल तकनीक तक, आत्मनिर्भरता का यह अभियान अब केवल नारा नहीं, बल्कि भारत के भविष्य की सबसे बड़ी आर्थिक रणनीति बन चुका है। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता ने अहम भूमिका निभाई। स्वदेशी हथियारों और तकनीक की मदद से भारत ने तेजी और कुशलता से सफलता हासिल की। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर न होता, तो यह उपलब्धि संभव नहीं थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने दुकानदारों से भी अपील की है कि वे अपनी दुकानों के बाहर लिखें यहां स्वदेशी सामान मिलता है। यह केवल नारा नहीं, बल्कि आर्थिक स्वतंत्रता की दिशा में बड़ा कदम है। 'मेक इन इंडिया', 'स्टार्ट-अप इंडिया', 'डिजिटल इंडिया' और अब 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे अभियानों का मकसद यही है कि देश का उद्योग और तकनीक दुनिया के मुकाबले खड़ा हो सके। आज भारत तेज़ी से मैन्युफैक्चरिंग हब बनता जा रहा है। अमेरिका के टैरिफ बढ़ाने या गैर-टैरिफ बैरियर लगाने के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था और उद्योग नई ऊंचाइयां छू रहे हैं।

हम तो ऐवे ही हैं! क्यों आप हमारे पास आते हैं!

हरिशंकर व्यास

पहली खबर नॉर्वे की है। नॉर्वे सरकार के पेंशन का एक वैश्विक सॉवरेन वेल्थ फ़ंड है। लगभग दो ट्रिलियन डॉलर का कोष। इसे वहां की सरकार ने 1990 में तेल की कमाई को जमा करते हुए बनाया। यह विश्व में निवेश कर देशवासियों की पेंशन संभालता है। इसे किस देश, किस कंपनी में निवेश करना है, इसके सुझाव का काम एक नैतिक परिषद करती है। और पता है 2022 में जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया तो चार दिन के भीतर नॉर्वे की संसद और वित्त मंत्रालय ने फ़ंड को रूस और उससे जुड़ी कंपनियों से पैसा निकालने, यानी विनिवेश का आदेश दिया। ऐसा होना देश की नैतिक यानी एथिकल गाइडलाइंस से था। अब इन दिनों नॉर्वे में ग़ाज़ा में इज़राइली हिंसा व नरसंहार के विवाद में इज़राइली कंपनियों से निवेश हटाया जा रहा है। जैसे इज़राइल को लड़ाकू विमानों की सप्लाई करने वाली कंपनी से फ़ंड अपना निवेश निकाल रहा है। नॉर्वेजियन फ़ंड ने इज़राइल से जुड़ी छह कंपनियों को ब्लैकलिस्ट किया है। इसका क्या अर्थ है? बुनियादी तौर पर यह कि नॉर्वे उन रामजी के रामराज्य का एक सभ्यागत प्रतिनिधि देश है, जहां नैतिकता व मर्यादा का मान है। नॉर्वे राष्ट्र-राज्य यानी देश की एक नैतिक वैचारिक विदेश नीति है। वह क्या सही है, क्या ग़लत, कौन राम है और कौन रावण की एथिकल गाइडलाइंस में मानवाधिकारों, बाल मानवाधिकार उल्लंघनों, हिंसा, युद्ध के दौरान अमर्यादित व्यवहार, विवादित सैन्य गतिविधियों जैसे नैतिक मुद्दों को ध्यान में रखकर आचरण यानी निर्णय करता है। ध्यान रहे नॉर्वे कोई इस्लामी या ऑर्थोडॉक्स ईसाई देश नहीं है; बावजूद इसके वहां की राजनीति में, संसदीय बहस में सभी विचारधाराओं (दक्षिण, वाम, पर्यावरणवादी ग्रीन, मध्य-दक्षिण, लेबर पार्टी) की पार्टियों, जनमानस में यह प्राथमिकता है कि देश एथिकल गाइडलाइंस के पैमाने पर ही राष्ट्रीय पहचान, नीति व सरोकार रखे। तभी प्रधानमंत्री जोनेस गार स्टोरे को जून में 17 इज़राइली कंपनियों से विनिवेश की घोषणा करनी पड़ी। मतलब जन सर्वेक्षणों में नॉर्वेजियन नागरिकों का यह दबाव स्थायी है कि कुछ भी हो जाए, विदेश नीति में देश को अपनी इमेज एक 'नैतिक ताक़त' या मानवता की महाशक्ति की बनाए रखनी होगी। इससे कोई समझौता नहीं। अब ज़रा शनिवार को भारत के विदेश मंत्री जयशंकर के इस बयान पर ग़ौर करें। उन्होंने अमेरिका पर निशाना साधते हुए कहा, 'हमने तो ख़रीदने के लिए मजबूर नहीं किया था। अगर आपको अच्छा नहीं लगता है तो आप भारत से तेल नहीं ख़रीदें! अगर आपको भारत से तेल या परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पाद ख़रीदने में समस्या है तो मत ख़रीदिए। किसी ने आपको ख़रीदने के लिए बाध्य नहीं किया है। लेकिन यूरोप ख़रीदता है, अमेरिका ख़रीदता है, अगर आपको पसंद नहीं है तो मत ख़रीदिए'। क्या अर्थ है इसका? क्या यह नहीं कि हम तो धंधेबाज़ हैं। हमारा कोई धर्म-ईमान नहीं। हम नंगे खड़े हैं बाज़ार में! आपको किसने कहा था आने के लिए!

सचमुच, ईमानदारी से दिल पर हाथ रख सोचें। क्या यही रामजी की पार्टी की, मोदी सरकार की अब तक की रीति-नीति का सार नहीं है? किस बेशर्मी के साथ भारत क्रोनी पूंजीवादी अंबानी के तेल धंधे को सही, जायज़ बता रहा है? भारत और उसके धंधेबाज़ों ने नैतिकता को ताक पर रख मौके का फ़ायदा उठाया और रूस से सस्ता कच्चा तेल लेकर, उसे रिफ़ाइन कर चोरी-छुपे यूरोप या एक्सङ्कवाईङ्कज़्ेड ग्राहकों को महंगा तेल बेच भरपूर मुनाफ़ा कमाया! और ऊपर से भारत के विदेश मंत्री की दुनिया को यह नसीहत कि आपने अनैतिकता की भारत मंडी से ख़रीदा ही क्यों? हम तो धंधेबाज़, लुढ़कते लोटे हैं, हमसे क्यों नाता रखते हैं? दलील हो सकती है कि नरेंद्र मोदी भारत को विकसित देश बना रहे हैं। और यह तब संभव है जब बिक्री-ख़रीद के धंधे के बाज़ार में हमारी क़ीमत लगे और कमाई हो! इसलिए भारत को भला नैतिकता, राष्ट्र विशेष की सार्वभौमता, नियम, क़ानून-मर्यादा, युद्ध दौरान अमर्यादित व्यवहार, विवादित सैन्य गतिविधियों, मानवाधिकारों व मानवता, नैतिकता की क्यों चिंता करनी चाहिए? हम अमीर हो रहे हैं न? अंबानी-अडानी जगतसेठ बन रहे हैं तो उनके साथ भारत भी सोने की लंका हो रहा है!

यदि ऐसा है और रामजी की मर्यादाओं, नैतिकताओं को धंधे के राष्ट्रहित में यदि भारत सरकार ने कुर्बान कर दिया है तो इसका तब बेबाक़ी से ऐलान कर देना चाहिए कि दुनिया के लोगों गांधी के रामराज्य और नेहरू के 1947 के घोषित संकल्प दुनिया की नैतिक आवाज (द्वश्ह्ड्ड्य 1श्द्वष्ड्ड श्द्ध ह्ड्डद्ग 2श्ह्यस्त्र) या सत्यमेव जयते के सनातन धर्म को त्यागने की भारत राष्ट्र, भारतीय सभ्यता घोषणा करती है। सो, सवाल है, क्या आज का भारत रामजी का अनुयायी, उनकी विरासत का अंशमात्र धर्म भी लिए हुए है? हम सनातनी हिंदुओं ने क्या यह पढ़ा-समझा नहीं है कि यदि मर्यादा और नैतिकता का आग्रह नहीं है तो फिर वैसा होना रावण होना है। रावण की सोने की लंका है!

असुरक्षा बोध भारत के नेताओं के गहना

अजीत द्विवेदी

राहुल गांधी पर भाजपा के हमले की थीम बदल गई है। अब उनको शातिर, साजिशी और देश विरोधी बताने का अभियान चल रहा है। ध्यान रहे नरेंद्र मोदी और अमित शाह के भाजपा की कमान संभालने के बाद राहुल गांधी के खिलाफ जो व्यापक प्रचार अभियान चला उसकी थीम उनको पप्पू साबित करने की थी। भाजपा का हर नेता उनके लिए यही जुमला बोलता था। उनको नासमझ बताया जाता है। उनकी बुद्धि का मजाक उड़ाया जाता था। उनको जबरदस्ती राजनीति में उतारा गया नेता बताया जाता था। कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में शामिल होने वाले हर नेता से राहुल गांधी के बारे में इस तरह के बयान दिलाए जाते थे, जिससे देश की जनता में यह संदेश जाए कि उनको कुछ नहीं आता है और वे बुद्धू हैं। इसके लिए उन कांग्रेस नेताओं को बड़े इनाम इकराम से नवाजा गया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री अपने भाषणों में राहुल को शहजादे कह कर संबोधित करते थे। इसका भी मकसद यही मैसेज बनवाना था कि राहुल गांधी पप्पू हैं लेकिन चूंकि शहजादे हैं इसलिए कांग्रेस के इतने बड़े नेता बने हैं।

लेकिन अब यह थीम बदल गई है। अब कोई राहुल गांधी को पप्पू नहीं कहता है। उनकी भारत जोड़ो यात्रा के समय से उनको लेकर नैरेटिव बदलने की शुरुआत हुई। इससे पहले एक और बड़ा बदलाव हुआ था। वह किसान आंदोलन के समय हुआ। उस समय भाजपा और केंद्र सरकार ने भारत के खिलाफ साजिश का नैरेटिव बनवाया था। दुनिया भर से भारत विरोधी टूलकिट के सक्रिय होने की चर्चा हुई थी। इसके बाद बड़े सहज तरीके से राहुल को इस टूलकिट से जोड़ा जाने लगा। भारत विरोधी इस टूलकिट के लिए एक नाम खोजा गया जॉर्ज सोरोस का। दावा किया गया कि राहुल गांधी अमेरिका के इस खरबपति कारोबारी के संपर्क हैं और उसके जरिए भारत को और भारत की सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रहे हैं।

लगभग उसी समय अर्बन नक्सल का सिद्धांत लाया गया, बौद्धिक व सामाजिक कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी शुरू हुई, भारत के खिलाफ साजिश के नैरेटिव को मेनस्ट्रीम किया गया और राहुल व कांग्रेस को उससे जोड़ दिया गया। सो, नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के लगभग एक दशक बाद भाजपा के मुताबिक राहुल गांधी पप्पू से बदल कर एक शातिर नेता बन गए हैं, ऐसे नेता जो देशविरोधी ताकतों से मिला हुआ है। इस नैरेटिव को भारत सरकार के वरिष्ठ मंत्री आगे बढ़ा रहे हैं। देश के एक बड़े न्यूज नेटवर्क को इंटरव्यू में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बिना किसी लागलपेट के कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस देश को अस्थिर करने की साजिश रचने वालों के साथ जुड़े हैं।

रिजिजू ने दावा किया कि भारत सरकार को अस्थिर करने के लिए जॉर्ज सोरोस ने एक ट्रिलियन डॉलर का फंड रखा है। सोचें, एक ट्रिलियन डॉलर का मतलब है कि भारत का जितना जीडीपी है उसके एक तिहाई के बराबर फंड एक कारोबारी ने भारत को अस्थिर करने के लिए रखा है! इसके आगे रिजिजू ने कहा कि अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और कई वामपंथी संगठनों से जुड़ी खालिस्तानी ताकतें भारत विरोधी साजिश रच रही हैं, राहुल और कांग्रेस उनके साथ खड़े हैं।

यह बात भारत सरकार का एक वरिष्ठ मंत्री कह रहा है। इसका मतलब है कि सरकार के पास ऐसी इनपुट है कि एक कारोबारी ने एक ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 87 लाख करोड़ रुपए भारत को अस्थिर करने के लिए रखा हुआ है और कांग्रेस का उसके साथ संबंध है। अगर ऐसी कोई खुफिया सूचना है तो सरकार को उस पर तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। अमेरिका के सामने यह मुद्दा उठाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र संघ में इसे ले जाना चाहिए और भारत में जिन नेताओं को इस साजिश में शामिल होने की खबर है उन पर कार्रवाई करनी चाहिए। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। सिर्फ नैरेटिव बनाया जा रहा है। ऐसा लग रहा है कि राहुल को पप्पू साबित करने के नैरेटिव का लाभ लेने के बाद उनको देश विरोधी बता कर नया नैरेटिव बनाया जा रहा है। लोकप्रिय विमर्श में इस बात को स्थापित किया जा रहा है कि राहुल गांधी, कांग्रेस पार्टी और व्यापक रूप से समूचा विपक्ष देश विरोधी काम कर रहा है और अकेले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबको रोकने की कोशिश कर रहे हैं। यह बात रिजिजू ने अपने इंटरव्यू में कही।

उन्होंने कहा कि मोदीजी के होते किसी को कामयाबी नहीं मिलेगी। यह नैरेटिव देश के बौद्धिकों के लिए भी चलाया जा रहा है। केंद्र सरकार या राज्यों की भाजपा सरकारों के खिलाफ सवाल उठाने वालों को तुरंत देश विरोधी और साजिश रचने वाला बता दिया जाता है। जैसे अभी असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने किया है। उन्होंने चार सामाजिक कार्यकर्ता जाने माने वकील प्रशांत भूषण और पूर्व आईएएस अधिकारी हर्ष मंदर, जवाहर सरकार व वजाहत हबीबुल्ला पर आरोप लगाया है कि ये लोग असम में घूम रहे हैं और असम को अस्थिर करने की साजिश कर रहे हैं। सोचें, इतनी शक्तिशाली सरकार सामाजिक कार्यकर्ताओं को वकीलों से घबराए जाए तो क्या कहा जा सकता है!

बहरहाल, राहुल गांधी पर हमले की नई थीम का दूसरा पहलू उनको ऐसा नेता साबित करना है, जो असुरक्षा बोध से ग्रस्त हो। इस बहाने पार्टी के अंदर विभाजन बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। यह बात खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के मानसून सत्र के दौरान एनडीए नेताओं के साथ एक बैठक में कही। बैठक के बाद मीडिया में खबर आई कि प्रधानमंत्री ने कहा कि संसद नहीं चलने का कारण यह है कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व (उन्होंने संभवतः राहुल गांधी का नाम भी लिया) असुरक्षा बोध से ग्रस्त है इसलिए किसी दूसरे नेता को संसद में नहीं बोलने दिया जाता है और इसी वजह से संसद में कामकाज नहीं हो पाता है। ध्यान रहे मानसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा में मनीष तिवारी और शशि थरूर नहीं बोले थे।

भाजपा का कहना है कि उनको बोलने नहीं दिया गया क्योंकि वे केंद्र सरकार के समर्थन में बोल सकते थे, जबकि कांग्रेस का कहना है कि उन दोनों ने खुद ही बोलने से इनकार किया था। कारण जो रहा हो लेकिन सीधे प्रधानमंत्री के स्तर से कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति के विभाजन को बढ़ाने का दांव चला जा रहा है। यह राहुल के कमजोर होने या असुरक्षा बोध से ग्रस्त होने का नहीं, बल्कि पार्टी पर उनकी पकड़ मजबूत होने का संकेत है। वैसे असुरक्षा बोध भारत के नेताओं के गहना होता है। थोड़े से पुराने अपवादों को छोड़ दें तो हर बड़ा नेता असुरक्षा बोध से ग्रस्त होता है। भारतीय जनता पार्टी में पिछले 10 साल से जिस तरह के निराकार नेता आगे बढ़ाए जा रहे हैं और महत्वपूर्ण पदों पर बैठाए जा रहे हैं। वह असुरक्षा बोध की ही निशानी है।

वास्तु शास्त्र में दिशाओं का महत्व

वास्तु शास्त्र में दिशाओं को बेहद महत्वपूर्ण बताया गया है। वास्तु के अनुसार, 8 दिशाएं यानी 4 मुख्य दिशाएं पूर्व, पश्चिम, उत्तर व दक्षिण) के साथ चार कोणीय दिशा ईशान कोण(उत्तर-पूर्व),आग्नेय कोण(दक्षिण-पूर्व), नैत्रऋत्य कोण(दक्षिण-पश्चिम),वायव्य कोण(उत्तर-पश्चिम) के आधार पर वास्तु की गणना की जाती है। वास्तु में हर दिशा का विशेष महत्व है। अलग-अलग दिशाओं का संबंध अलग ग्रहों से होता है। मनुष्य के जीवन में सुख-शांति के लिए दिशाओं को ठीक रखना आवश्यक माना गया है। आइए जानते हैं कि वास्तु में प्रत्येक दिशा का क्या महत्व है?

पूर्व दिशा :
पूर्व दिशा के स्वामी ग्रह भगवान सूर्य और देवराज इन्द्र माने गए हैं। यह दिशा अच्छे स्वास्थ्य, बुद्धि, धन, सुख-सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि गृह-निर्माण में घर के पूर्व दिशा का कुछ स्थान खुला छोड़ देना चाहिए। इस स्थान को नीचा रखना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा न होने पर घर के मुख्य सदस्य का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है।

पश्चिम दिशा :
पश्चिम दिशा के स्वामी ग्रह शनि व वरुणदेव हैं। इस दिशा को मान-सम्मान, सफलता, अच्छे भविष्य और संपन्नता का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि इस दिशा में गड्ढा,दरार,नीचा या दोषपूर्ण रहने पर मानसित कनाव की स्थिति बन सकती है। कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है।

उत्तर दिशा :
उत्तर दिशा के स्वामी ग्रह बुध व कुबेर देवता हैं। यह दिशा जीवन में सभी प्रकार के सुख को प्रदान कराती है। इस दिशा को बुद्धि,ज्ञान,चिंतन,मनन विद्या,धन के लिए शुभ माना जाता है। उत्तर दिशा में खाली स्थान छोड़कर गृह निर्माण करने से सभी प्रकार की भौतिक सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

दक्षिण दिशा :
दक्षिण दिशा के स्वामी ग्रह मंगल और यम है। इस दिशा को सफलता, यश, पद-प्रतिष्ठा और धैर्य का प्रतीक माना गया है। पिता के सुख का कारक भी यह दिशा माना जाता है। दक्षिण दिशा को जितना भारी रखेंगे, उतना ही लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

आग्नेय कोण :
वास्तु में आग्नेय कोण के स्वामी ग्रह शुक्र और अग्नि देवता माने गए हैं। इस दिशा का संबंध स्वास्थ्य से होता है। यह दिशा निद्रा व उचित शयन सुख को दर्शाता है। आग्नेय कोण में अंडरग्राउंड टैंक का होना अच्छा नहीं माना जाता है। इससे स्वास्थ्य खराब रहता है।

नैत्रऋत्य कोण :
इस दिशा के स्वामी राहु और नैत्रऋति नामक राक्षसी है। यह दिशा असुर, बुरे कर्म करने वाले व्यक्ति या भूत पिशाच की दिशा है। इसलिए वास्तु में इस दिशा को कभी खाली न रखने की सलाह दी जाती है।

वायव्य कोण :
इस दिशा को चंद्रदेव और पवनदेव का वास स्थान माना गया है। यह मित्रता और शत्रुता की ओर संकेत देते हैं। इस दिशा को मानसिक विकास का दिशा माना जाता है। इस दिशा में किसी तरह का दोष होना शत्रुओं की संख्या में वृद्धि का संकेत माना जाता है।

ईशान कोण :
ईशान कोण के स्वामी ग्रह देवगुरु बृहस्पति माने जाते हैं। इस दिशा को बुद्धि,ज्ञान,विवेक,धैर्य और साहस का प्रतीक माना गया है। वास्तु के अनुसार, ईशान कोण की साफ-सफाई का खास ध्यान रखना चाहिए। इस दिशा को खुला नीचा व निर्माण कार्य कम से कम करवाना चाहिए। इस दिशा के दोष रहित होने पर अध्यात्मिक,मानसिक व आर्थिक संपन्नता आती है। वास्तु के मुताबिक, इस दिशा में शौचालय,सेप्टिक टैंक या डस्टबिन बिल्कु नहीं रखना चाहिए।

इन योगासनों को बनाएं अपने डेली रूटीन का हिस्सा..

अगर आप एक ऑफिस गोइंग पर्सन हैं तब तो आप भी इस बात से सहमत होंगे कि दिन का आधे से ज्यादा हिस्सा ऑफिस या ऑफिस से जुड़े कामों में ही बीत जाता है। बहुत कम लोग ही ऐसे होते हैं जो इस बीच अपने लिए थोड़ा सा सेल्फ केयर टाइम निकाल पाते हैं। ऑफिस में घंटों लैपटॉप के सामने बैठकर काम करते रहने का इंपैक्ट हमारे शरीर पर भी साफ देखने को मिलता है। बैठे-बैठे वजन बढ़ जाना, मोटी तोंद निकल आना, कमर और कंधो में दर्द होना और भी बहुत कुछ। ऐसे में समय से पहले ही बुढ़ापा ना आ जाए इसलिए शरीर को कुछ फिजिकल एक्टिविटी की डोज देते रहना बेहद जरूरी है। आज हम आपको कुछ ऐसे योगासन बताने वाले हैं जिन्हें आप अपने काम के बीच से ही कुछ समय निकाल कर प्रैक्टिस कर सकते हैं। ये आपकी बॉडी को ओवरऑल हेल्दी रखने में काफी हेल्पफुल साबित होंगे।

रोज थोड़ी देर करें वज्रासन

अपने बिजी शेड्यूल में से कुछ वक्त निकालकर आप वज्रासन ट्राई कर सकते हैं। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले घुटनों को मोड़कर, पैर के बल बैठ जाएं। इस तरह से बैठते हुए इस बात का ध्यान रखें कि आपके दोनों पैर के अंगूठों के बीच में थोड़ा सा गैप हो और आपकी कमर के ऊपर का हिस्सा बिल्कुल स्ट्रेट हो। अब अपने दोनों हाथों को अपनी जांघों पर रखें और शरीर का पूरा भार पैरों पर छोड़कर दिमाग को रिलैक्स करें। इस आसन को रेगुलर करने से पेट से जुड़ी प्रॉब्लम्स ठीक होती हैं, जिसकी वजह से बैठे-बैठे गैस और डाइजेस्टिव इश्यूज नहीं होते।

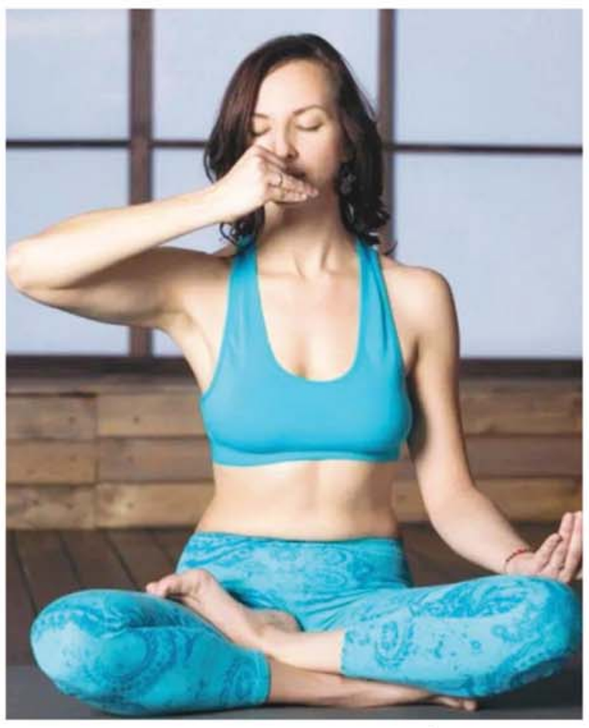

बहुत आसान और फायदेमंद है ताड़ासन

इस आसन को माउंटेन पोज के नाम से भी जाना जाता है। लगातार एक ही पोजीशन में बैठकर काम करने से रीढ़ की हड्डियां दर्द करने लगती हैं। ऐसे में रीढ़ की हड्डियों को मजबूती देने के लिए और बढ़े हुए पेट की चर्बी कम करने के लिए ताड़ासन बहुत ही फायदेमंद हो सकता है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले सावधान की मुद्रा में खड़े हो जाएं। इसके बाद हाथों को ऊपर बिलकुल सीधा फैलाकर, दोनों हाथों की उंगलियों को आपस में जोड़ें। अब अपने पैर की एड़ी को ऊपर उठाते हुए उंगलियों के बल पर खड़े हो जाएं। कुछ देर तक इसी पोजीशन में बने रहें और फिर रिलैक्स मोड में वापस आ जाएं।

पद्मासन से दूर होंगी ढेर सारी प्रॉब्लम्स

लगातार बैठकर काम करने का सबसे ज्यादा असर बॉडी पोस्चर पर पड़ता है। बॉडी पोस्चर में सुधार लाने के लिए और पीठ दर्द से छुटकारा पाने के लिए पद्मासन करना चाहिए। इस आसन को करने से एकाग्रता भी बढ़ती है और पेट भी दुरुस्त रहता है। इसे करने के लिए सबसे बैठ जाएं। अब अपने दाएं पैर को बाएं पैर की जांघ पर रखें और अपने बाएं पैर को दाएं पैर की जांघ पर रखें। अब अपने दोनों हाथों की तर्जनी उंगली को अंगूठे की बीच की रेखा पर रखकर हाथों को घुटने पर रखें। अब आंख बंद करके 5 से 10 मिनट के लिए बिल्कुल शांत बैठ जाएं।

दंडासन भी है बेहद फायदेमंद

हड्डियों और मांसपेशियों की मजबूती के लिए दंडासन करना बहुत ही फायदेमंद होता है। इस आसन को करने से रीढ़ की हड्डियों में भी खिंचाव आता है और साथ ही पाचन तंत्र मजबूत होता है। दंडासन करने के लिए सबसे पहले बैठकर, अपने दोनों पैरों को सामने की तरफ सीधा फैला लें। अब अपने दोनों हाथों को जमीन पर कूल्हे के बगल में रखें। इस आसन को करते समय अपनी पीठ, सिर और गर्दन को बिल्कुल सीधा रखें। इसके बाद अपने पैर की उंगलियों को अपनी तरफ खींचे। इस आसन को करने से आपके शरीर में खिंचाव आएगा। जिससे हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूती मिलेगी।

रोज सुबह करें ये काम

दिन भर कंट्रोल में रहेगा ब्लड प्रेशर

आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी और बिगड़ते खान-पान की वजह से ब्लड प्रेशर की बीमारी बहुत आम हो गई है। ब्लड प्रेशर हाई हो या लो, हेल्थ के लिए दोनों ही बहुत खतरनाक हैं। ऊपर से ये बीमारी अकेले भी तो नहीं आती, बल्कि अपने साथ ढेर सारी हेल्थ प्रॉब्लम्स एकदम फ्री लाती है। जब बॉडी में ब्लड सर्कुलेशन सही से नहीं होता तो इसका असर हार्ट और किडनी पर भी पड़ता है। इसके साथ ही इससे मेंटल हेल्थ पर भी इसका असर हो सकता है। अगर आपको भी ब्लड प्रेशर की प्रॉब्लम है, तो आपको अपने रूटीन में कुछ बदलाव करने की जरूरत है। अगर आप कुछ बातों को अपने डेली मॉर्निंग रूटीन का हिस्सा बना लेते हैं, तो आपको काफी फायदा होगा।

ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने के लिए स्लीपिंग रूटीन को फॉलो करना बहुत जरूरी है। रात में देर से सोना और सुबह देर तक बिस्तर पर पड़े रहना, ब्लड प्रेशर को डिसबैलेंस करने के साथ-साथ कई अन्य हेल्थ प्रॉब्लम की भी वजह बन सकता है। इसलिए ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने के लिए रात में जल्दी सोना चाहिए और सुबह जल्दी उठना चाहिए। बेहतर होगा कि आप डेली सुबह उठने का एक प्रॉपर टाइम भी फिक्स करें ताकि आपकी बॉडी क्लॉक उससे एडजस्ट हो जाए।

पानी से करें सुबह की शुरुआत
सुबह खाली पेट पानी पीने के कई फायदे हैं। इससे शरीर तो हाइड्रेटेड रहता ही है, साथ ही कई अन्य हेल्थ प्रॉब्लम्स भी दूर रहती हैं। ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने के लिए, सुबह की शुरुआत पानी के साथ करनी चाहिए। सुबह खाली पेट पानी पीने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है, पाचन क्रिया सही होती है और शरीर दिन भर हाइड्रेटेड रहता है। कोशिश करें कि फर्श पर मलासन में बैठकर लगभग दो गिलास पानी घूंट-घूंट कर के पीएं। रात भर कॉपर के किसी जग या बॉटल में रखे कॉपर चार्ज वाटर पीने से हेल्थ को और और ज्यादा बेनिफिट्स मिलते हैं।

रूटीन में शामिल करें कोई फिजिकल एक्टिविटी
सिर्फ ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने के लिए ही नहीं बल्कि शरीर को ओवरऑल फिट रखने के लिए भी अपने डेली रूटीन में किसी भी तरह की फिजिकल एक्टिविटी को जरूर शामिल करें। आप रोजाना सुबह कुछ देर के लिए एक्सरसाइज या योगासन कर सकते हैं।

खजूर को असली शहद में भिगोकर खाने के फायदे

खजूर नैचुरल शुगर से भरपूर होते हैं. इनका इस्तेमाल अक्सर लोग मीठी चीजों में करते हैं. हालांकि कुछ लोग इसे ऐसे भी ही खाते हैं, लेकिन अगर आप इन खजूरों को शहद में भिगोकर खाएंगे तो आपको इसके कई फायदे मिलेंगे. शहद हमारी सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है. यह एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीसेप्टिक गुणों से भी भरपूर होता है. साथ ही, खजूर फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट, प्रोटीन, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होता है. ये दोनों ही हमें कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं, लेकिन अगर हम इन दोनों को एक साथ खाएंगे तो कई फायदे मिलेंगे. आइए जानते हैं खजूर को असली शहद में भिगोकर खाने के फायदों के बारे में.

खजूर में फाइबर की मात्रा भरपूर होती है . वजन घटाने से लेकर पाचन संबंधी समस्याओं को कम करने तक इसके कई फायदे हैं, लेकिन जिनका पाचन तंत्र कमजोर है उनके लिए यह कॉम्बिनेशन फायदेमंद है . खजूर को शहद में भिगोकर खाने से पाचन क्रिया बेहतर होती है . कई लोगों को कब्ज की समस्या होती है, लेकिन जिन लोगों को यह समस्या है उनके लिए खजूर को शहद में भिगोकर खाना फायदेमंद होता है .

दरअसल, फाइबर की कमी ही कब्ज का कारण बनती है . ऐसे में खजूर खाने से फाइबर की कमी दूर हो जाती है . साथ ही आपका मेटाबॉलिज्म भी बढ़ेगा . अगर आप खजूर को शहद में भिगोकर खाएंगे तो आपको कब्ज की समस्या से राहत मिलेगी .

कुछ लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत कमजोर होती है . ऐसे लोग हमेशा किसी न किसी मेडिकल समस्या से पीड़ित रहते हैं . रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने पर खांसी, जुकाम और बुखार जैसी कई परेशानियां आती रहती हैं, लेकिन शहद और खजूर आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में बहुत मददगार होते हैं . इन दोनों में कई औषधीय गुण हैं . इनमें आयरन के साथ जिंक और विभिन्न विटामिन प्रचुर मात्रा में होते हैं . इनसे आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी .

कुछ लोगों को चाहे कोई भी मौसम हो खांसी-जुकाम की समस्या हो जाती है, लेकिन ये समस्याएं इतनी जल्दी दूर नहीं होती है . ऐसे लोगों के लिए शहद और खजूर बहुत मददगार होता है . डॉक्टर बताते हैं कि अगर आप खजूर को शहद में भिगोकर खाएंगे तो सर्दी-खांसी जल्दी ठीक हो जाएगी . मौसम बदलने पर खजूर को शहद में भिगोकर जरूर खाएं .

जो लोग मसल्स बनाना चाहते हैं उनके लिए शहद और खजूर बहुत मददगार होते हैं . अगर आप रोजाना शहद में खजूर भिगोकर खाते हैं तो आपकी मांसपेशियां तेजी से मजबूत होंगी . शहद और खजूर में कैलोरी अधिक होती है . यह मांसपेशियों के निर्माण में मदद करता है .

शहद और खजूर दोनों ही हमारी त्वचा के लिए बहुत अच्छे होते हैं . शहद मॉइस्चराइजिंग गुणों से भी भरपूर होता है . यानी यह हमारी त्वचा को अंदर से मुलायम और खूबसूरत बनाता है . खजूर खाने से हमारी त्वचा स्वस्थ रहती है . शहद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है, लेकिन अगर आप खजूर को शहद में भिगोकर खाते हैं तो इससे शरीर में सूजन कम हो जाती है . आपके स्वास्थ्य में सुधार होगा .

चीनी से दांतों को बचाने के लिए अपनाएं आयुर्वेदिक उपाय

चीनी हमारे आहार का अभिन्न हिस्सा है, लेकिन बहुत अधिक मात्रा में चीनी का सेवन करने से हमारे मुंह के स्वास्थ्य पर बुरा असर होता है। ऐसे में इस बात को समझना ज़रूरी है कि चीनी किस तरह से हमारे दांतों को नुकसान पहुंचाती है। इसलिए अपने खान-पान के बारे में हमेशा सोच-समझ कर फैसला लेना चाहिए। अक्सर हम दांतों पर चीनी के प्रभाव को अनदेखी कर देते हैं। बहुत से लोग इस बात से अनजान हैं कि चीनी दांतों की सड़न और ओरल हेल्थ की अन्य समस्याओं का मुख्य कारण है।

जब हम चीनी युक्त खाद्य या पेय पदार्थों का सेवन करते हैं तो हमारे मुंह में बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। इससे उत्पन्न होने वाला एसिड दांतों के इनेमल को नुकसान पहुंचाता है। इस तरह बार-बार एसिड अटैक से दांत सड़ने लगते हैं और दांतों में कैविटी होने लगती है। कई बार मीठे चिपचिपे पदार्थ दांतों पर चिपक जाती है, इस तरह बार-बार मीठे

पदार्थों के सेवन से दांतों पर एसिड अटैक की संभावना बढ़ती है और दांत खराब होने लगते हैं। चिपचिपे और चीनी से युक्त खाद्य पदार्थ दांतों पर चिपक कर दांतों की सड़न का कारण बन जाते हैं। डाबर रैड पेस्ट प्राकृतिक तरीके से दांतों को सुरक्षित करता है। इसके आयुर्वेदिक फॉर्मूले में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इन्फ्लामेटरी गुणों वाले प्राकृतिक इन्ग्रीडिएन्ट् जैसे लौंग, अदरक और नीम शामिल हैं। ये इन्ग्रीडिएन्ट्स दांतों में सड़न पैदा करने वाले बैक्टीरिया को दूर कर ओरल हेल्थ को बनाए रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा आईडीए सील ऑफ एक्सेप्टेन्स डाबर रैड पेस्ट को और भी भरोसेमंद बनाती है। ये सभी इन्ग्रीडिएन्ट्स दांतों पर चीनी के प्रभाव को दूर करने में कारगर हैं। अपने दांतों को चीनी से सुरक्षित रखने के लिए अपने आहार में बदलाव लाएं और ओरल हाइजीन का खास ख्याल रखें। चीनी का सेवन सीमित मात्रा में करें, बार-बार मीठे खाद्य पदार्थ न खाएं। इन के बजाए सेहतमंद स्नैक्स जैसे फल, सब्ज़ियां, मेवे चुनें। मीठे खाद्य पदार्थों का सेवन करने के बाद ब्रश करें, इससे दांतों में जमी मिठी परथ और प्लॉक निकल जाएंगे। इसके अलावा चीनी और एसिड से दांतों को सुरक्षित रखने के लिए पानी से कुल्ला करें। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि आपको कितनी मात्रा में मीठे खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए। चीनी के सेवन से दांतों को नुकसान पहुंचाता है, लेकिन डाबर रैड पेस्ट जैसा भरोसेमंद टूथ पेस्ट इस्तेमाल कर आप दांतों को चीनी के हानिकारक प्रभाव से सुरक्षित रख सकते हैं। इसमें मौजूद प्राकृतिक इन्ग्रीडिएन्ट्स बैक्टीरिया और एसिड से लड़ने में कारगर हैं और

आपके दांतों को मजबूत बनाते हैं। डाबर रैड पेस्ट से ब्रश करें और कैविटी की चिंता किए बिना अपनी मनपसंद मिठाइयों और स्नैक्स का लुत्फ़ उठाएं।

परोपकार और रक्तदान

प्रहलादराय डालमिया लायंस कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना व लायंस क्लब ऑफ मालाड बोरिवली के अध्यक्ष लायन अमित गुप्ता के मार्गदर्शन में लायंस रीजन -3 द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस मेघा रक्त संग्रह अभियान में लायंस 3231 ए -3 के प्रथम उपजिलाध्यक्ष लायन नटवर बंका, द्वितीय उपजिलाध्यक्ष लायन विकास क. सराफ, लायन तसनीम हरियानवाला, लायन राजेश जैन, लायन मनमोहन मेहता, प्राचार्य प्रो. डॉ. डी. एन. गंजेवार, लायन पुरुषोत्तम सोमानी, लायन मुकेश सेठीया, लायन रूपल निर्माण सराफ की गरिमामय उपस्थिति में 19 लायंस क्लब के सदस्यों ने हिस्सा लिया। लायन कन्हैयालाल घ. सराफ व लायन कमल रुइया ने कार्यक्रम के आयोजन पर प्रकाश डाला ।

संक्षिप्त समाचार

आरआर काबेल ने लॉन्च की भविष्य के लिए तैयार वायरों की नई सीरीज, जो आने वाले दिनों में घरों को देगी पावर

रायपुरः भारत में वायर व केबल बनाने वाली अग्रणी कंपनी आरआर काबेल ने वायरों की एक नई रेंज लॉन्च की है। आज के दौर में खासकर जब तापमान बढ़ रहा है और बिजली की खपत भीऐसे में ये वायरें बदलते वक्त की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए बनाई गई हैं। इस नई सीरीज में Superex Green HR+FR और Fire& LS0H-EBXL जैसे प्रोडक्ट शामिल हैं जो सुरक्षा, परफॉर्मेंस और पर्यावरण की रक्षा- तीनों में बेहतर हैं। लॉन्च के इस मौके पर आरआर काबेल के कार्यकारी निदेशक श्री राजेश काबरा ने कहा, जब घर स्मार्ट हो रहे हैं और तापमान बढ़ रहा है, तो वायरों को भी बदलना होगा। हमारी नई रेंज आज की ही नहीं, बल्कि आने वाले समय की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है- चाहे वो बढ़ता तापमान हो या ज्यादा बिजली का दबाव या फ्रि सुरक्षा और पर्यावरण की जिम्मेदारी। Superx Green HR+FR वायर, इस वायर में हीट गार्ड टेक्नोलॉजी होती है और यह ऋश्वष्ट॥ व ऋश ।।ह्र जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार बनी है। यानी कि इसमें 245 से ज्यादा हानिकारक रसायन नहीं होते। ये ।।क्र + स्नक्र वायर 85एष्ट तक का तापमान झेल सकती है, जिससे ये गर्मी में भी सुरक्षित रहती है। इसमें एडवांस क्लास 2 कंडक्टर होता है जो वायर को मजबूत बनाता है और बिजली की बर्बादी को भी रोकता है। 100त्न प्योर इलेक्ट्रोलाइटिक कॉपर से बनी ये वायर ज्यादा बिजली प्रवाह देती है। साथ ही इसमें चूहे और कीड़ों से सुरक्षा देने वाली तकनीक भी है। इसकी हरी पैकिंग इसे पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनाने की पहचान है। Superex Green सिर्फएक वायर नहीं, बल्कि उन लोगों की पसंद है जो परफॉरमेंस के साथ साथ पर्यावरण का भी ख्याल रखते हैं।

एमवे के न्यूट्रिलाइट को मिली एनएफएसयू की मान्यताः सुरक्षित न्यूट्रिशन की दिशा में अहम उपलब्धि

रायपुर। आज जब बाजार में उपलब्ध न्यूट्रिशन उत्पादों की सुरक्षा और प्रामाणिकता को लेकर उपभोक्ताओं की चिंताएँ तेजी से बढ़ रही हैं, ऐसे समय में स्वास्थ्य और भलाई का समर्थन करने वाली अग्रणी कंपनियों में से एक एमवे इंडिया ने घोषणा की है कि उसके प्रमुख ब्रांड न्यूट्रिलाइट के पाँच उत्पादों को राष्ट्रीय फोरेंसिक साइंसेज़ यूनिवर्सिटी (NFSU) -- न्यूट्रिशनल सप्लीमेंट टेस्टिंग फॉर स्पोर्ट्सपर्सन (NSTS) के प्रतिष्ठित ट्रस्टेड सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के तहत प्रमाणन प्राप्त हुआ है। यह मान्यता एमवे की उस अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है जिसके तहत वह उच्च गुणवत्ता वाले, सुरक्षित और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित न्यूट्रिशन उत्पाद उपलब्ध कराता है। मान्यता प्राप्त पाँच प्रमुख उत्पाद हैं -- - न्यूट्रिलाइट ऑल प्लांट प्रोटीन, न्यूट्रिलाइट कैल मैग डी प्लस के2, बोसवेलिया के साथ न्यूट्रिलाइट ग्लूकोसामाइन एचसीएल, न्यूट्रिलाइट सैल्मन ओमेगा 3 सॉफ्टजेल, और न्यूट्रिलाइट डेली प्लस। ये उत्पाद वर्ल्ड एंटी-डोपिंग एजेंसी (WADA) द्वारा निर्धारित अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुपालन हेतु प्रमाणित हैं। इन उत्पादों की स्वतंत्र रूप से जाँच की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ये उत्पाद स्पोर्ट्स न्यूट्रिशन मानकों का उल्लंघन न करें। इस उपलब्धि पर एमवे इंडिया के प्रबंध निदेशक रजनीश चोपड़ा ने कहा: ऐसे समय में जब न्यूट्रिशन सप्लीमेंट्स की सुरक्षा और प्रामाणिकता पर चर्चा जोर पकड़ रही है, यह मान्यता हमारे 90 वर्ष पुराने विरासती ब्रांड न्यूट्रिलाइट के प्रति उपभोक्ताओं के स्पष्ट विश्वास और आत्मविश्वास को और मजबूत करती है। यह हमें एक भरोसेमंद पारिवारिक ब्रांड के रूप में स्थापित करता है और साथ ही प्रमाणित गुणवत्ता की तलाश करने वाले एथलीटों और फिटनेस प्रेमियों के लिए भी इसे और प्रासंगिक बनाता है। एमवे इंडिया में, हमने हमेशा गुणवत्ता, सुरक्षा और पारदर्शिता को प्राथमिकता दी है। लोगों को बेहतर जीवन जीने में मदद करने के हमारे विज़न के अनुरूप हम यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारे हर प्रयास में यही उद्देश्य झलके। न्यूट्रिशन के क्षेत्र में हमारी दशकों की विशेषज्ञता, जो दुनिया के ॥1 बिकने वाले विटामिन और डाइटरी सप्लीमेंट ब्रांड न्यूट्रिलाइट द्वारा समर्थित है, समग्र भलाई को समर्थन देने वाले भरोसेमंद न्यूट्रिशन उत्पाद उपलब्ध कराने की हमारी इस दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। न्यूट्रिलाइट उत्पाद पारंपरिक रूप से सभी आयु वर्ग के लोगों के व्यक्तिगत और पारिवारिक स्वास्थ्य को समर्थन देने पर केंद्रित रहे हैं। हमारी 800 से अधिक वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और तकनीशियनों की वैश्विक टीम लगातार विश्व स्तरीय उत्पाद विकसित करने और पहुँचाने के लिए अथक प्रयास करती है और हर साल 5,00,000 से अधिक गुणवत्ता परीक्षण करते हैं। यह हमारी इस प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि हम सुरक्षा और प्रभावशीलता में उच्चतम मानकों वाले उत्पाद ही प्रदान करें। ह्रस्नस् से प्राप्त यह मान्यता हमारे इसी समर्पण का प्रमाण है और हमारे उत्पादों को नए मानकों तक ले जाती है।

स्वजनों ने स्वर्गवासियों के मृत आत्मा की शांति के लिए रखा आयोजन

साजा (समय दर्शन)। साजा समीपस्थ ग्राम बेलतरा ग्रामीण मुखिया अलखराम साहू पिता स्व गंगाराम साहू (70) का स्वर्गवास गत वर्ष 2024 में हुआ है। स्व.अलखराम साहू - स्व.बसंती बाई साहू, स्व गंगाराम साहू- जामुन बाई, स्व.कुणाल साहू के स्मृति में मृत आत्मा की शांति हेतु उनके स्वजनों द्वारा संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञानयज्ञ का आयोजन रखा गया। यह आयोजन बीते 24 अगस्त रविवार से 1 सितंबर सोमवार तक हुआ। इस अवसर पर श्रोताओं की कथा पंडाल पर भारी भीड़ देखने को मिला। 24 अगस्त को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। महिलाएं एवं लड़कियों ने सिर पर कलश लेकर ग्राम के विभिन्न मार्गों से होते हुए कलश के साथ कथा स्थल पहुंची। इस दौरान गांव में भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। तत्पश्चात कथा प्रारम्भ हुआ एवं पहले दिन ही वेदी

पूजन व गौकरण की कथा सुनाई। कथा वाचक पं. संतोष पाण्डेय द्वारा कथा बतायी गई। परायणकर्ता पं. गौरव पाण्डेय रहे। आयोजन का समापन सोमवार को हुआ। सोमवार को गीता, तुलसी वर्षा,हवन, वार्षिक श्राद्ध, शांति भोज का आयोजन हुआ। आयोजन को सफल बनाएं रखने के लिए साहू परिवार निरन्तर सेवा कार्य में लीन रहे। आयोजन विनीत छन्नूराम-सुकुन बाई, चोवाराम-ललिता साहू,अशोक-सुखमनी साहू व दर्शनाभिलाषी रामखिलावन-सोहोगी,कृष्णा-धानबाई,मौजुराम-दुलारी बाई,रोहित-सीमा, रूपचंद-भुनेश्वरी, गोपी-ममता, महेश-मनीषा, गणेश, अजय-आरती, चैनलाल-भोमेश्वरी, शिवा, युवराज, पंकज, लक्की, पियुश, चंदू, रूद्र, हेमती, कुमकुम, विद्या, प्रेरणा, रूचिका व समस्त साहू परिवार व ग्राम वासियों के अथक सहयोग से आयोजन सफल हुआ।

जनाब यह है बिलासपुर एसडीएम कार्यालय, ईडब्ल्यूएस ही नहीं यहां से फर्जी जन्म और मृत्यु भी प्राप्त किए जाते हैं

बिलासपुर (समय दर्शन)। बिलासपुर तहसील से बन रहे फर्जी प्रमाणपत्रों का एक बार फिर से खुलासा हुआ है। दोषियों पर गिरेगी गाज का दावा किया जा रहा है। इस बार मामला फर्जी ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्रों का है।

जानकारी बताती है कि यह प्रमाण पत्र ?500 के साधारण खर्चे पर बनता है। व्यक्ति देखकर इसकी कीमत 3 से 5000 हो जाती है और यदि आवेदक की आर्थिक क्षमता दिखाई दी तो प्रमाण पत्र ?20000 तक बनता है। फर्जी ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्रों के पहले हमने बिलासपुर तहसील में बन रहे फर्जी मृत्यु, जन्म प्रमाण पत्र का भी खुलासा किया था। आरटीआई के तहत हमने 1 वर्ष के भीतर बने

लगभग 350 फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र हासिल की बार-बार शिकायतों के बाद एसडीएम के आदेश पर तत्कालीन बिलासपुर तहसीलदार ने सिविल लाईन थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। पर उसके बाद आगे की कोई कार्यवाही पता नहीं... इस संबंध में संबंधित थाना भी खामोश है और फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्रों के मामले में कभी कोई गिरफ्तारी नहीं हुई।

कोकपुर में गूंजा वॉलीबॉल का जोश, जूनियर टीम ने सीनियर को दी शिकस्त

राजनांदगांव। खेल एवं युवा कल्याण विभाग राजनांदगांव के निर्देशानुसार हर गली हर मैदान खेले सारा हिंदुस्तान और मोर खेल मोर गौरव अभियान के तहत ग्राम कोकपुर में एक दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजन सहायक संचालक ए. एक्का के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में ग्राम सरपंच अनुपूर्णा सिन्हा मुख्य अतिथि रहीं। उनके साथ शासकीय उच्च माध्यमिक शाला के पीटीआई लक्ष्मीलाल यादव, खेल विभाग से संध्या पदम, प्रेरणा राणे, शिक्षक ठाकुर सर एवं अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी महेंद्र कुमार धुर्वे भी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि सरपंच अनुपूर्णा सिन्हा ने कहा कि यह गांव के लिए गर्व की बात है कि आज यहां वॉलीबॉल जैसा आयोजन हो रहा है। पहले गांवों में सिर्फकबड्डी और खो-खो जैसे खेल होते थे, लेकिन अब बच्चों की रुचि वॉलीबॉल जैसे खेलों में बढ़ रही है, जो एक सकारात्मक बदलाव है। उन्होंने कहा कि खेल मैदान को विकसित करने हेतु जल्द ही विभाग से पत्राचार किया जाएगा। प्रतियोगिता में सीनियर और जूनियर वर्ग की टीमों के बीच बेस्ट ऑफथ्री का मुकाबला हुआ। पहले दो सेट तक दोनों टीमें बराबरी पर रहीं, लेकिन तीसरे सेट में जूनियर टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की।

कार्यक्रम के अंत में विजेता और उपविजेता टीमों को विशाल ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। साथ ही खेल एवं युवा कल्याण विभाग की ओर से खिलाड़ियों को वॉलीबॉल और नेट भी प्रदान किया गया।

गांव के लोगों और युवाओं ने इस आयोजन की सराहना की और ऐसे आयोजनों को नियमित रूप से कराने की मांग की।

ग्लोबल जर्नलिस्ट मीडिया संघ नगर इकाई भाटापारा का गठन

भाटापारा (समय दर्शन)। नगर के स्थानीय विश्राम गृह मे ग्लोबल जर्नलिस्ट मीडिया संघ नगर इकाई भाटापारा का गठन किया गया । जिसमें शंकर लाल सोनी को सर्वसम्मति से ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों के मौजूदगी मे किया गया जिसमे संघ के प्रदेश अध्यक्ष हरीश चौबे , प्रदेश महासचिव सत्यनारायण पटेल ,प्रदेश सचिव फिरोज खान ,प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं मीडिया प्रभारी राजेश वर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे ।

प्रदेश अध्यक्ष हरीश चौबे ने उपस्थित पत्रकारों के उत्साहवर्धन करते हुये निष्पक्ष व बेबाक पत्रकारिता जनहित के दिशा मे करते रहने के साथ साथ संगाठन कि मजबूती पर भी जोर दिया । उन्होंने कहा कि मीडिया सदस्यों के हितों के रक्षा के लिये हमारा ग्लोबल जर्नलिस्ट मीडिया संघ सदैव सजक रहता है । और प्रदेश मे पत्रकार साथियों के हितों के रक्षा के लिये मीडिया संघ पूरे प्रदेश मे संगठन कि एकता के लिये पूरे प्रदेश मे विस्तारीकरण कि और अग्रसर है जो कि इसी तारतम्य मे भाटापारा मे ग्लोबल जर्नलिस्ट मीडिया संघ का गठन किया गया है । ग्लोबल जर्नलिस्ट मीडिया संघ प्रदेश महासचिव सत्यनारायण पटेल ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में पत्रकारों का कार्य जोखिम भरा है ,इसलिए पत्रकारों को संगठित रहना बहुत जरूरी हो गया है हमारे संगठन पत्रकारों के हित में अनेकों कार्य कर रही है , इसीलिए आज हमारे संगठन में सदस्यों की संख्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है ।

शंकर लाल सोनी को ग्लोबल जर्नलिस्ट मीडिया संघ के अध्यक्ष नियुक्ति के तुरंत बाद प्रदेश पदाधिकारीयों के उपस्थिति में ब्लॉक सचिव सौरभ बरवाड़, कोषाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा , उपाध्यक्ष हिमांशु शुक्ला एवं सहसचिव मोहम्मद शमीम खान व शत्रुघ्न लाल सोनवानी को नियुक्त किया गया है । साथ ही बलौदा बाजार भाटापारा ग्लोबल जर्नलिस्ट मीडिया संघ जिला अध्यक्ष के रूप में जुगल किशोर तिवारी को मनोनीत किया गया है । इस अवसर पर ग्लोबल जर्नलिस्ट एंड मीडिया संघ बिल्हा ब्लॉक के कमल गर्ग , विनोद वर्मा अध्यक्ष प्रेस क्लब बिल्हा ,योगेश शर्मा, हरिश गुप्ते , रविराज रजक , विक्की पान्डेय ,रामनारायण यादव कोटा ,भाटापारा ब्लॉक से श्याम सुन्दर पुरोहित , शत्रुघ्न साहू , आशीष जायसवाल ,संजय प्रसाद , संजय तिवारी ,नारायण साहू , माखन लाल साहू , प्रभात सोनछत्र , हारून रजा सहित बड़ी संख्या में भाटापारा ब्लॉक के पत्रकार गण उपस्थित रहे ।

कलेक्टर ने की खाद भण्डारण व वितरण की समीक्षा

समितियों में आवश्यकता अनुसार यूरिया उपलब्ध कराने के निर्देश

कलेक्टर दीपक सोनी ने सोमवार को कृषि, सहकारिता एवं अन्य सम्बधित विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में उर्वरक भण्डारण एवं वितरण की समीक्षा की। उन्होंने यूरिया की बढ़ती मांग को दृष्टिगत रखते हुए आवश्यकता अनुसार प्राथमिकता से समितियो में यूरिया उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि जिन समितियों में यूरिया उर्वरक की ज्यादा मांग है वहां प्राथमिकता से उपलब्ध कराए। किसानों को नैनो यूरिया उपयोग के लिए प्रेरित करें। किसानों को खाद लेने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए।उन्होंने तय मूल्य से अधिक मूल्य पर उर्वरक विक्रय करने वाले विक्रेताओं पर कार्यवाही करने लगातार जांच अभियान चलाने के निर्देश दिये। इसके साथ ही छूटे हुए किसानो का एग्रीस्टेक पोर्टल पर पंजीयन की कार्यवाही में तेजी लाने के भी निर्देश दिये। बताया गया कि विगत दिनों 400 मेट्रिक टन यूरिया का आवंटन मिला है जिसे समितियों में भण्डारण किया गया है एवं आगामी 3 से 4 दिन में पुनः 400 मेट्रिक टन यूरिया मिलने की संभावना है। वार्तमान में 53 मेट्रिक टन यूरिया डबल लॉक में उपलब्ध है जिसे समितियों को वितरित किया जा रहा है। अब तक लक्ष्य 27000 मेट्रिक टन के विरूद्ध 28700 मेट्रिक टन यूरिया का वितरण किया जा चुका है।

दुर्ग जिला भाजयुमो ने किया राहुल गांधी का पुतला दहन

कभी कांग्रेस का नारा था ॼ गली-गली कांग्रेसॼ वहीं कांग्रेस पार्टी गाली वाली कांग्रेस बन गई है - सुरेंद्र कौशिक

दुर्ग (समय दर्शन)। कांग्रेस पार्टी एवं राष्ट्रीय जनता दल के बिहार दरभंगा के चुनावी मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत माता के ऊपर अमर्यादित भाषा के इस्तेमाल किए जाने के विरोध स्वरूप भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर एवं दुर्ग जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक के मार्गदर्शन में युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष जीत हेमचंद यादव के नेतृत्व में दुर्ग के पटेल चौक में राहुल गांधी का पुतला दहन किया गया आयोजित पुतला दहन में मुख्य रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, जिला उपाध्यक्ष दिलीप साहू, मंत्री दीपक चोपड़ा, वरिष्ठ भाजपा नेता अजय तिवारी उपस्थित रहे आयोजित पुतला दहन के दौरान भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पार्टी के द्वारा अमर्यादित भाषा इस्तेमाल करने के विरोध में कांग्रेस पार्टी की कड़ी निंदा की

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष

सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि सर्व विदित है कि कांग्रेस पार्टी लगातार हार से पूरी तरह से बौखला गई है और बची हुई अस्मिता बचाने के लिए तरह-तरह के हथकंडे इस्तेमाल कर रही है खासकर अपनी बदजुबानी इस्तेमाल कर रही है कांग्रेस के लिए अभद्र भाषा कोई नई बात नहीं है उसके कई नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर अश्लील टिप्पणी कर रहे हैं जब से कांग्रेस पार्टी ने नरेंद्र मोदी जी में एक संभावित और प्रभावित नेता देखा है तभी से लगातार उनके प्रति अमर्यादित शब्दों का प्रयोग करती आ रही है

बिहार की वही पावन भूमि जहां चाणक्य जैसे नीति निर्माता हुए बुद्ध जैसे विश्व गुरु प्रकट हुए जहां से भाषा ज्ञान और संस्कृति की धारा पूरे विश्व में प्रवाहित हुई आज इस बिहार की जनता राहुल गांधी की भाषा देख परख रही है निश्चित ही उसका उत्तर भी उन्हें देगी 7

भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष जीत हेमचंद यादव ने कहां की आपस में मतभेद हो सकता है लेकिन राजनीतिक जीवन में भाषा का स्तर मर्यादित होना चाहिए लेकिन कांग्रेस पार्टी लगातार हार से निराश और हताश है राहुल गांधी यह सोचते हैं कि राजनीति में गाली देने से भी आगे बढ़ जाएंगे लेकिन राजनीति में गाली देने वाला कभी आगे नहीं बढ़ पाया है ना आगे बढ़ पाएगा भाषा की मर्यादा के विषय पर राहुल गांधी से माफी की अपेक्षा नहीं कि वह माफी मांगेंगे न हीं राहुल गांधी को प्रधानमंत्री राहुल गांधी को माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गाली देकर एक प्रकार का सुख मिल रहा है लेकिन जनता से सुखद नहीं मान रही है बिहार की जनता इसका चुनाव में माकुल जवाब देगी 7

आयोजित पुतला दहन मंडल भाजपा अध्यक्ष महेंद्र लोढ़ा, महिला मोर्चा जिला महामंत्री गायत्री वर्मा, जय श्री राजपूत जिला उपाध्यक्ष सानिध्य चंद्राकर , पार्षद गुलशन साहू , उमंग ताम्रकार विशाल शर्मा ,यश वर्मा ,यश कसेर ,राजा बैरागी ,हर्ष चंदेल ,जय सिंह राजपूत

अनिकेत यादव ,राहुल देवांगन

ऋषि यादव ,अंकुर देशमुख ,अरविंद पिल्ले ,आकाश यादव ,शुभम यादव

,विधान मिश्रा, सहित भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे

खबर-खास

एचडीएफसी बैंक का स्वदेशी समाधानों को समर्थन -क्वांटम साइबर सुरक्षा स्टार्टअप, क्यूएनयू लैब्स में किया निवेश

मुंबई: भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक, एचडीएफसी बैंक ने क्यूएनयू लैब्स में निवेश की घोषणा की है, जो फुल-स्टैक एंड-टू-एंड क्वांटम-सेफ साइबर सुरक्षा प्लेटफ़ॉर्म में अग्रणी है। यह पहल क्वांटम सुरक्षा को आगे बढ़ाने और स्वदेशी नवाचार के माध्यम से भारत की डिजिटल संप्रभुता को मज़बूत करने की क्यूएनयू की प्रतिबद्धता को बल देती है। एचडीएफसी बैंक के ट्रेजरी के समूह प्रमुख, अरूप रक्षित ने कहा, क्यूएनयू में निवेश हमें एक स्वदेशी और भविष्य के लिए तैयार नवाचार का समर्थन करने का अवसर देता है। क्वांटम साइबर सुरक्षा क्षेत्र में सक्रिय समाधान विकसित करके, क्यूएनयू लैब्स अपने क्वांटम-सेफ संचार नेटवर्क के साथ वित्तीय क्षेत्र में एक बहुमूल्य योगदान देता है। क्यूएनयू लैब्स के सीईओ सुनील गुप्ता ने कहा, एचडीएफसी बैंक के साथ हमारी सीरीज़ ए फंडिंग पूरी होने पर हमें बेहद खुशी है। यह रणनीतिक उपलब्धि पारंपरिक और पारंपरिक एआई-आधारित सुरक्षा विधियों की तुलना में क्वांटम भौतिकी का लाभ उठाने के हमारे विरोधाभासी दृष्टिकोण को प्रमाणित करती है। हम केवल डिजिटल संपत्तियों की सुरक्षा ही नहीं कर रहे हैं बल्कि हम भारत को एक क्वांटम-सुरक्षित राष्ट्र बनाने और अपनी डिजिटल संप्रभुता को मज़बूत करने की दिशा में काम कर रहे हैं। क्यूएनयू लैब्स एकीकृत, संपूर्ण क्वांटम-सुरक्षित साइबर सुरक्षा समाधानों में एक प्रमुख कंपनी है। क्यूएनयू क्वांटम पेटेंट प्राप्त, प्रमाणित और क्षेत्र-सिद्ध तकनीकों के साथ भौतिकी के मूलभूत नियमों पर आधारित अटूट सुरक्षा प्रदान करता है। इसका प्रमुख उत्पाद, क्यूशील्ड, एक। सास (SaaS) सक्षम, पूर्ण-स्टैक क्वांटम-सुरक्षित प्लेटफ़ॉर्म है जो एंडपॉइंट्स, नेटवर्क, एज और क्लाउड परिवेशों में डिजिटल बुनियादी ढाँचे की भौतिक हार्डवेयर से लेकर एप्लिकेशन-स्तरीय प्रणालियों तक हर परत की सुरक्षा करता है।

विद्युत ठेकेदार कल्याण संघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश उपाध्यक्ष बने राजेश भारद्वाज

सारंगढ़ योगेश कुर्रे (समय दर्शन) सारंगढ़ विद्युत ठेकेदार संघ के जिला अध्यक्ष राजेश भारद्वाज जो 30 अगस्त 2025 को राजधानी रायपुर में विद्युत ठेकेदार कल्याण संघ छत्तीसगढ़ के मीटिंग में शामिल हुए जहां समस्त ठेकेदारों द्वारा एकमत होकर देवेश वर्मा को प्रदेश अध्यक्ष तो वहीं राजेश भारद्वाज को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया जो सारंगढ़ के लिए हर्ष की बात है जिन्हे बधाई देने वालों में जिला कांग्रेस अध्यक्ष ताराचंद देवांगन, सूरज तिवारी प्रदेश प्रतिनिधी,जिला पंचायत सदस्य बिनोद भारद्वाज, पुर्व सभापति जिला पंचायत अनिका भारद्वाज, प्रखर वक्ता गोल्डी नायक,कमल यादव, राकेश जाटवर, अश्वनी चंद्रा, राजू यादव, सतीश श्रीवास, राकेश तिवारी, सुनील वारे, रमेश खूंटे, नारद भारद्वाज,सिद्धू खूंटे, महेश नायक, रामनाथ सिदार, मितेंद्र यादव,शोभन साहू, नरेश चौहान, हेमन्त चंद्रा, राजेंद्र वारे, सागर दिवान, वशीम खान,सुगम निराला, तारकेश्वर टांडेल, प्रमोद पटेल, लोकेश पटेल, युगेश पटेल, विमल रात्रे, भुनेश्वर पटेल, करिया पटेल, अक्षय पाण्डे इत्यादि लोगों ने बधाई देते हुए उज्वल भविष्य की कामना की ।

मन की बात का 125वां संस्करण सुना गया

जगदलपुर। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रिय वार्तामन की बात का 125वां संस्करण आज रविवार को निगम क्षेत्र अंर्तगत बलीराम कश्यप वार्ड एवं प्रतापदेव वार्ड सहित अन्य वार्डों में सामूहिक रूप से सुना गया। इस अवसर पर महापौर ने कहा कि 'मन की बात' केवल संवाद का माध्यम नहीं है, बल्कि यह देश की जनता को दिशा देने वाला एक प्रेरणास्रोत मंच है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी लगातार जनमानस से जुड़े मुद्दों पर चर्चा कर, लोगों को सकारात्मक कार्यों से प्रेरित करते हैं। उन्होंने सभी वार्डवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मन की बात हर नागरिक को समाज और राष्ट्र के लिए कुछ सकारात्मक करने की प्रेरणा देती है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से 'वोकल फॉर लोकल' की अवधारणा पर बल दिया। उन्होंने देशवासियों से स्वदेशी उत्पादों और स्थानीय सामान को अपनाने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का आधार तभी मजबूत होगा जब हम अपने स्थानीय कारीगरों, छोटे उद्यमियों और व्यवसायियों को बढ़ावा देंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि मानसून सीजन में प्राकृतिक आपदाएं देश की परीक्षा ले रही हैं । पिछले कुछ हफ्तों में हमने बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही देखी है। पीएम मोदी ने आगे कहा, %जहां भी संकट आया, हमारे एनडीआरएफ-एसडीआरएफ के जवान और अन्य सुरक्षा बलों ने लोगों को बचाने के लिए दिन-रात काम किया।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ ने नोटिस को जलाकर जताया विरोध

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश एन.एच.एम कर्मचारी संघ के बैनर तले राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के 16 हज़ार संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी जो 18 अगस्त से 10 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन पर हैं,आज आंदोलन के 15 वे दिन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन जिला गरियाबंद के करीब 450 कर्मचारियो ने जिला अध्यक्ष अमृत राव भोंसले,प्रांतीय प्रतिनिधि भूपेश साहू,भूपेंद्र सिन्हा के नेतृत्व में सभी ब्लॉक् अध्यक्ष धीरज शर्मा,गौरव यादव,पुष्पा कुर्रे,सौरभ पांडे, गोविन्द यादव की उपस्थिति में प्रशासन से मिले नोटिस की प्रति जलाकर विरोध जताया और दमनकारी नीति के आगे नहीं झुकने के लिए शपथ ली।वही बिंद्रा नवागढ़ विधानसभा के विधायक जनक राम ध्रुव ने गरियाबंद एन एच एम संविदा कर्मचारियों के मांग के संदर्भ में गाँधी मैदान के मंच में आकर समर्थन देते हुए कहा कि संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों का आंदोलन जायज है।पिछली कांग्रेस सरकार में 27 प्रतिशत की वेतन वृद्धि छत्तीसगढ़ के सभी संविदा कर्मचारियों के लिए किया गया था जिसमे सोलह हजार एन एच एम कर्मचारियों भी शामिल थे पर इन स्वास्थ्य कर्मचारियों को आज तक 27 प्रतिशत वेतन बढ़ोतरी जो कई सालों से अटका के रखा गया है इसी प्रकार तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंहदेव जी ने भी संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों को नियमिती करण करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया पर किसी कारणवस सरकार को पूरा समय नहीं मिल पाया।इसलिए स्वास्थ्य संविदा कर्मचारियों की पीड़ा को मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव से लेकर विधानसभा सत्र में भी मजबूती से रखेंगे साथ ही लड़ेंगे और जीतेंगे के नारे के साथ कर्मचारियों में आशा का संचार किया।

इसके पूर्व आंदोलन के स्वरूप के बारे में बताते हुए जिलाध्यक्ष अमृत राव भोंसले अध्यक्ष ने बताया कि, विधानसभा चुनाव 2023 में भारतीय जनता पार्टी ने मोदी की गारंटी का नारा देते हुए अपना घोषणा पत्र बनाया जिसमें हम एनएचएम के कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान का वादा किया गया है इस सरकार के कार्यकाल में 170 से अधिक ज्ञापन देने के पश्चात कोई सुनवाई न होने पर विवश होकर प्रदेश के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत कार्यरत 16 हज़ार संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी 18 अगस्त से अनिश्चितकालीन आंदोलन पर हैं।

*दो दशक बाद भी शोषण की पराकाष्ठा,आर पार की लड़ाई जारी रहेगी,,,,,जिला उपाध्यक्ष रजत महतो ने जानकारी दी कि शोषण की पराकाष्ठा हो चुकी है 20 साल का शोषण का समय छोटा मोटा समय नही,20 साल में से 15 साल भारतीय जनता पार्टी की ही सरकार यहां थी,दूसरे राज्यो से यहां के कर्मचारियों की स्थिति अत्यंत दयनीय है,इसी के विरोध में हमने शासन के दमन के आगे ना झुकने का फैसला किया है,पिछले दिनों हमने केश दान किया था और आज नोटिस की प्रति फाड़ कर विरोध करेंगे।

*5 मांगे मान ली गई हैं ,यह शासन का दुष्प्रचार है,,,,हड़ताली कर्मचारियों ने स्वास्थ्य मंत्री के इस बयान का भी खंडन किया है कि एनएचएम के संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों की 10 सूत्री मांगों में से पांच मांगे पूरी कर दी गई है,कर्मचारियों का कहना है कि यह पूरी तरह से सही नहीं है और भ्रामक बात है केवल दो ऐसी मांग है जिस पर सर्कुलर जारी हुआ है अन्य किसी भी मांग पर उचित निर्णय नहीं लिया गया तथा मांगों के स्वरूप को बदलने का प्रयास शासन- प्रशासन द्वारा किया जा रहा है , दो दशकों से शोषित,पीड़ित,अल्प वेतन में काम कर रहे एन एच एम संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी अपने नियमितीकरण ,स्थाईकरण पब्लिक हेल्थ कैडर, ग्रेड पे, अनुकंपा नियुक्ति जैसी जरूरी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं जिस पर वर्तमान सरकार के द्वारा बहुत निवेदन करने और ज्ञापन देने के पश्चात भी कोई सुनवाई नहीं की गई। उक्त मांगों को केंद्र सरकार के मत्थे मढ़ा जा रहा है जबकि तकनीकी रूप से प्रदेश में स्वास्थ्य और स्वास्थ्य के कर्मचारियों का पूरा विषय राज्य सरकार के निर्णय के अधीन होता है ।

राहुल गांधी के अमर्यादित बयान पर गरियाबंद में फूटा गुस्सा, पुतला दहन

गरियाबंद (समय दर्शन)।बिहार के दरभंगा में कांग्रेस मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी माता जी के खिलाफ अमर्यादित भाषा और गाली-गलौज किए जाने की घटना को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश देखने को मिला।इसी के विरोध में आज जिला मुख्यालय स्थित तिरंगा चौक पर भारतीय जनता पार्टी ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला दहन किया।

इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल चंद्राकर ने किया।इस दौरान भाजपा युवा मोर्चा, महिला मोर्चा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता तिरंगा चौक पर उपस्थित रहे और कांग्रेस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर ने कहाङ्क्वोटर अधिकार यात्रा के बहाने कांग्रेस बार-बार प्रधानमंत्री का अपमान कर रही है।लेकिन इस बार उनकी माता जी को गाली देना कांग्रेस की गिरती हुई राजनीति का सबसे शर्मनाक चेहरा है।राहुल गांधी का पुतला जलाकर हमने कांग्रेस को चेतावनी दी है कि ऐसी ओछी हरकतें अब देश कतई बर्दाश्त नहीं करेगा।राहुल गांधी जी को यह समझना होगा कि राजनीति में मतभेद हो सकते हैं, विचारों की लड़ाई हो सकती है, लेकिन व्यक्तिगत स्तर पर गिरकर माँ-बहन की गालियाँ देना लोकतंत्र को कलंकित करता है।

हम सब मिलकर राहुल गांधी की इस अभद्र भाषा की कड़ी निंदा करते हैं और उनसे यह मांग करते हैं कि वे न केवल प्रधानमंत्री मोदी जी से बल्कि पूरे देशवासियों से सार्वजनिक माफी माँगें।

विरोध प्रदर्शन एव पुतला दहन में गुरुनारायण तिवारी,राधेश्याम सोनवानी,रिखीराम यादव, घनश्याम सिन्हा फिरतु राम कवर,धनराज विश्वकर्मा चैन सिंह कश्यप मिलेश्वरी साहू,शेषनारायण गजभिये,बिंदु सिन्हा,रेणूका साहू,पुष्पा साहू, आशिफ मेमन,दीपक साहू,तान सिंह मांझी,प्रतीक तिवारी,वंश सिन्हा,सागर मयानी प्रशांत मानिकपुरी, हेमंत नागेश प्रकाश सोनी,आनंद ठाकुर,राज डे, गुलशन सिन्हा,परमेश्वर सेन,अमित बखरिया सूरज सिन्हा,भीम साहू,चेन सिंह नागेश,हेमन्त नागेश, सूरज बीसी,तोषण यादव,त्रिभुवन ताम्रकार, दीपक सागर,रामानंद साहू,प्रतीक सिंह,सौरभ पाण्डे यश मिश्रा,नमन सेन मानव निर्मलकर सहित भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बिना हेलमेट पहने दोपहिया वाहन चालकों को पेट्रोल देने पर केकेएस पेट्रोल पंप लाटाबोड़ को किया गया सील

कलेक्टर द्वारा जारी किए गए आदेश का अवहेलना किए जाने पर एसडीएम एवं अधिकारियों ने मौके पर पहुँचकर की कार्यवाही

बालोद (समय दर्शन)। एसडीएम नूतन कंवर द्वारा पेट्रोल पंपों के निरीक्षण के दौरान बालोद विकासखण्ड के ग्राम लाटाबोड़ स्थित केकेएस पेट्रोल पंप के द्वारा बिना हेलमेट पहने दोपहिया वाहन चालकों को पेट्रोल देते पाए जाने पर केकेएस पेट्रोल पंप लाटाबोड़ को सील करने की कार्रवाई की गई है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर द्वारा जिले में सड़क दुर्घटना एवं सड़क दुर्घटना के दौरान होने वाली जनहानि की रोकथाम सुनिश्चित करने हेतु पेट्रोल पंपों में बिना हेलमेट पहने पेट्रोल खरीदी हेतु आने वाले दोपहिया वाहन चालकों को पेट्रोल नही देने के संबंध में 01 अगस्त 2025 को आदेश जारी किया गया था। एसडीएम ने बताया कि आज तहसीलदार श्री आशुतोष शर्मा, कोतवाली थाना प्रभारी श्री शिशुपाल सिन्हा एवं खाद्य निरीक्षक श्री सुधीर खेस द्वारा आज केकेएस पेट्रोल पंप लाटाबोड़ का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। जहाँ निरीक्षण के दौरान केकेएस पेट्रोल पंप के द्वारा बिना हेलमेट पहने दोपहिया वाहन चालकों को पेट्रोल दिया जा रहा था। इस दौरान अधिकारियों के द्वारा पेट्रोल पंप के सीसीटीवी कैमरा की पिछले ढाई घण्टों के रिकॉर्डिंग का भी अवलोकन किया गया। जिसमें उक्त पेट्रोल पंप में बिना हेलमेट पहने कई अन्य ग्राहकों को भी पेट्रोल देने की पुष्टि हुई। एसडीएम नूतन कंवर ने कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी बालोद द्वारा 01 अगस्त 2025 को जारी किए गए आदेश का उल्लंघन करते पाए जाने पर केकेएस पेट्रोल पंप लाटाबोड़ को सील करने की कार्यवाही की है। ज्ञातव्य हो कि कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी के निर्देशानुसार जिले में सड़क दुर्घटना की रोकथाम सुनिश्चित करने के उपायों के अंतर्गत राजस्व, पुलिस, खाद्य एवं एवं अन्य संबंधित विभागों के द्वारा लगातार जिले की पेट्रोल पंपों की जाँच की जा रही है।

गरियाबंद में आदि कर्मयोगी अभियान के तहत जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

कलेक्टर बी.एस. उइके ने किया रेस्पॉन्सिव गवर्नेंस प्रशिक्षण का शुभारंभ

ग्राम स्तर पर बनेगा कैडर,स्थापित होंगे आदि सेवा केन्द्र

गरियाबंद (समय दर्शन)। जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा जिले में जनजातीय विकास और परिवर्तन के लिए व्यक्तियों और संस्थानों को सशक्त बनाने के लिए आदि कर्मयोगी अभियान के तहत वन विभाग के ऑक्सन हॉल में रेस्पॉन्सिव गवर्नेंस प्रोग्राम का तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ कलेक्टर बीएस उइके ने किया।इस अवसर पर आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त नवीन भगत,एसडीओ वन विभाग,मनोज चन्द्राकर सहित जिला अधिकारी,मास्टर ट्रेनर, ब्लाक स्तरीय प्रशिक्षणार्थी शामिल हुए।

कलेक्टर बीएस उइके ने बताया कि इस अभियान के तहत जिले के अनुसूचित जनजातियों के विकास एवं कल्याण से जुड़े प्रमुख योजनाओं की संतृप्ति सुनिश्चित करना है।इस अभियान को अंतर्विभागीय समन्वय और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से किया जाएगा। यह अभियान आदिवासी क्षेत्रों में अंतिम छोर तक सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए है। इस अभियान के अंतर्गत जिले के 5 विकासखंड के 334 आदिवासी बाहुल्य ग्रामों के 64 हजार 877 आदिवासी परिवारों को 17 मंत्रालय के 25 योजनाएं जैसे-आवास,सड़क,स्वास्थ्य,शिक्षा, रोजगार आदि से लाभान्वित किया जाएगा। इस अभियान में सभी की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।ताकि गांव में ही लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध सुनिश्चित हो।उन्होंने ब्लॉक स्तरीय मास्टर टेऊनर्स को अच्छे से प्रशिक्षण प्राप्त कर ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों को विभिन्न जानकारी प्रदान करने की बात कही।

इस दौरान आदिम जाति कल्याण विभाग सहायक आयुक्त नवीन भगत ने बताया कि जिला स्तर पर 7 ट्रेनर, ब्लॉक स्तर पर 35 ट्रेनर एवं प्रत्येक ग्राम से न्यूनतम 20 आदि साथी, सहयोगी (अशासकीय संस्थाएं,स्व-सहायता समूह,पंचायत सचिव,युवा, पंच,फ्रंट लाईन कर्मचारी एवं सेवाभावी संगठन, स्वयंसेवक) तैयार किये जा रहे हैं।इस संबंध में आज ब्लॉक स्तर के 35 मास्टर ट्रेनरों को राज्य स्तर से प्रशिक्षण प्राप्त मास्टर ट्रेनर द्वारा तीन दिवसीय विभिन्न आयामों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जा रहा है।प्रशिक्षण के उपरांत इन मास्टर ट्रेनर द्वारा ग्राम स्तर से चयनित आदि सहयोगी एवं आदि साथी को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।इसके पश्चात ग्राम स्तर पर कैडर चयन कर (न्यूनतम 20 व्यक्ति) ग्राम के सचिव,पंच,स्वसहायता समूह,वन अधिकार समिति,उस क्षेत्र के वनवासी,आदिवासी के कल्याण एवं उत्थान हेतु कार्यरत संस्था,संगठन, युवा और स्थानीय समुदाय के लोगों को जोड़ा जाएगा।जिनका चयन आदि साथी,सहयोगी के रूप में होगा वे चिन्हांकित ग्रामों में बुनियादी सुविधाएं जैसे-आवास, सड़क, पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि के लिए क्रिटिकल गैप को चिन्हांकित करने,शासन के विभिन्न योजनाओं की जानकारी एवं लाभ दिलाने और ग्रामों के परिवारों के साथ संपर्क रखते हुये ग्राम विकास योजना के निर्माण में कार्य करेंगे।इस अभियान अंतर्गत चिन्हांकित प्रत्येक ग्राम में आदि सेवा केन्द्र की स्थापना की जाएगी।जिसमें सभी विभागों से मिलने वाली योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराया जायेगा।

युवा कांग्रेस कवर्धा ने किसानों व आमजनों की 10 सूत्रीय मूलभूत मांगों को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन...

कवर्धा (समय दर्शन)। जिले में व्याप्त गंभीर समस्याओं को लेकर युवा कांग्रेस विधानसभा कवर्धा अध्यक्ष वाल्मिकी वर्मा के नेतृत्व में जिले की जनता एवं किसानों से जुड़े गंभीर मुद्दों को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

युवा कांग्रेस विधानसभा कवर्धा समन्वयक अश्विनी वर्मा एवं युवा कांग्रेस विधानसभा कवर्धा अध्यक्ष वाल्मिकी वर्मा ने कहा कि इस ज्ञापन में भाजपा सरकार की नाकामी को उजागर करते हुए आम जनमानस की मूलभूत सुविधाओं एवं किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से रखते हुए शीघ्र निराकरण की मांग की गई।

आम जनता व किसानों की प्रमुख मांगों में कवर्धा क्षेत्र में निरंतर हो रही बिजली कटौती एवं लो-वोल्टेज की समस्या का स्थाई समाधान तथा पर्याप्त ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराना।

सहकारी समिति केंद्रों सहित पूरे क्षेत्र में किसानों के लिए डीएपी, यूरिया, राखड़ एवं पोटाश की पर्याप्त उपलब्धता, विधानसभा क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने हेतु कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करना। प्रमुख चौक-चौराहों पर हो रही गौवंश की दुर्दशा का स्थाई निराकरण। नेशनल हाईवे एवं मुख्य मार्गों (कवर्धा-पोड़ी) से शराब भट्टियों को अन्यत्र स्थानांतरित करना। ग्रामीण व किसानों की सुविधा हेतु प्रमुख मार्गों को शीघ्र पक्की सड़क में परिवर्तित करना। किसानों को बोनस एवं शक्कर वितरण तत्काल शुरू करना। कारखाने परिसर में किसान सुविधा केंद्र (किसान भवन, स्नानागार, पानी टंकी, चबूतरा आदि) का निर्माण। कारखाने भर्ती में हुई अनियमितताओं की जांच, कर्मचारियों की सूची सार्वजनिक करना एवं आवश्यकता अनुसार नई भर्ती। ऑनलाइन सुविधा कारखाने की वेबसाइट पर किसानों हेतु हिंदी पर्ची, मृदा परीक्षण केंद्र एवं शेयर स्थानांतरण की सुविधा उपलब्ध कराना। कवर्धा विधानसभा के समस्त शासकीय विद्यालयों में विषयवार पर्याप्त संख्या में शिक्षकों की भर्ती की जाए। मांग 15 दिवस के अंदर पूरा नहीं होने पर संबंधित विभागों का घेराव सहित बड़ी आंदोलन की चेतावनी दिया।

इस अवसर पर शिवकुमार वर्मा, भीष्म पांडे, संजय धुर्वे, इंद्रा बंजारे, मुन्ना चंद्रवंशी, भोगेश्वर चंद्रवंशी, अमित वर्मा लक्ष्मीनारायण लहरे, धनराज वर्मा, हेमंत ठाकुर,

देवकुमार चंद्रवंशी, विक्की लहरे, गजेंद्र वर्मा, हेमंत चंद्रहास बंजारे, ठाकुर रामजी पटेल राजू मिराज, रामगोपाल वर्मा, लोरिक यादव, घनश्याम, मार्कण्डेय, लुकेश वर्मा, रामनारायण वर्मा, ज्ञानेंद्र कश्यप, सुखनंदन चंद्रवंशी, घनश्याम साहू, भुनेश्वर साहू, भोजकुमार यादव, भुकाऊ पटेल, अयोध्या साहू, चंद्रशेखर जायसवाल, विनय साहू, राम जी पटेल, जगतू पटेल, रामदास पटेल, जागृत बंजारे, बसंत जायसवाल, सुखचंद साहू, अमन विश्वकर्मा, परशादी बैगा, रामू लांझी, विवेक वर्मा, झाड़ू सिंह पोर्ते, पार्षदी साहू, रिखीराम साहू सहित सैंकड़ों की संख्या में विधानसभा क्षेत्र के अनेक युवा एवं किसान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

संक्षिप्त-खबर

किरंदुल व्यापारी कल्याण संघ का चुनाव 15 सितंबर को

किरंदुल। लोह नगरी किरंदुल में शनिवार को किरंदुल व्यापारी कल्याण संघ की ओर से सुबह 11 बजे अंबेडकर भवन में एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में बड़ी संख्या में व्यापारियों ने हिस्सा लिया। सर्वसम्मति से 15 सितंबर को संघ के चुनाव कराने का निर्णय लिया गया। बैठक में उपस्थित छोटे-बड़े सभी व्यापारियों के उत्साह ने पूरे शहर में चर्चा का माहौल बनाया। बैठक में एक चुनाव संचालन कमेटी का गठन किया गया, जिसमें बंटी अरोड़ा, जयदीप माखन, बिप्लव मल्लिक, रवींद्र सोनी, आर.सी. नाहक, आजाद सक्सेना, शैलेंद्र सिंह, विजय सोढ़ी, तपन दास, राजेंद्र सक्सेना, लाल बहादुर और लल्लू गुप्ता शामिल हैं। इस कमेटी को चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।चुनाव कार्यक्रम 31 अगस्त से 5 सितंबर सदस्यता पंजीकरण,8 सितंबर मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन और नामांकन पत्रों की बिक्री,9 सितंबर सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक नामांकन पत्र जमा,9 सितंबर दोपहर 3 बजे से 5 बजे तक नाम वापसी,9 सितंबर दोपहर 3 बजे से चुनाव चिह्न आवंटन,15 सितंबर सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक मतदान, शाम 4 बजे से मतगणना होगा।बैठक के अंत में सभी ने एक साथ भोजन किया। इस आयोजन ने व्यापारी समुदाय में एकता और उत्साह का संचार किया।

रंगमंच निर्माण कार्य का भूमिपूजन समारोह सम्पन्न

भाटापारा (समय दर्शन)। भाटापारा नगर पालिका अंतर्गत कृष्णा सिटी कॉलोनी, भाटापारा में रंगमंच निर्माण कार्य का भूमिपूजन समारोह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा एवं नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने विधिवत पूजन-अर्चन कर भूमिपूजन संपन्न किया। यह नव-निर्मित रंगमंच भाटापारा की कला, संस्कृति एवं सामाजिक आयोजनों को एक नई पहचान और सशक्त मंच प्रदान करेगा। नगर के कलाकारों, सांस्कृतिक गतिविधियों तथा सामाजिक कार्यक्रमों के लिए यह रंगमंच महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भूमिपूजन कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश तिवारी नगर पालिका उपाध्यक्ष दिलीप छाबड़िया , नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष मोहन बांधे ओमप्रकाश रात्रे पार्षद बब्बू मंधान नंदू वैष्णव सतीश साहू भाजपा मंडल अध्यक्ष योगेश अनंत सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा एवं पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा ने नगरवासियों को इस नए रंगमंच हेतु शुभकामनाएँ प्रेषित कीं और विश्वास व्यक्त किया कि यह मंच आने वाले समय में भाटापारा की सांस्कृतिक धरोहर को नई दिशा प्रदान करेगा।

श्री रामदेव बाबा के भादवा मेला के अंतिम दिन आज भंडारा का आयोजन

दुर्ग। श्री रामदेव बाबा दरबार नवकार परिसर पुलगांव नाका में आयोजित श्री रामदेव बाबा के भादवा मेला में जम्मा जागरण व भजनों की धूम मची हुई है। दरबार में श्रद्धालुओं को परचों का लाभ भी मिल रहा है। जिसके चलते यहां श्रद्धा व आस्था का अद्भुत माहौल बना हुआ है। श्री रामदेव बाबा के परमभक्त सोहनलाल बापजी (चालीसगांव महाराष्ट्र) की शिष्या भक्तमाता शांतादेवी बापजी के दर्शन के लिए श्रद्धालू दरबार में उमड़ रहे है। फलस्वरुप दरबार में प्रतिदिन शाम से देर रात तक श्रद्धालुओं का मेला लग रहा है। 10 दिवसीय भादवा मेला के अंतिम दिन 2 सितंबर को सुबह 10 बजे महाआरती व हवन पूजन किया जाएगा। तत्पश्चात महाप्रसादी (भंडारा) का वितरण किया जाएगा। उक्ताशय की जानकारी देते हुए श्री रामदेव बाबा दरबार नवकार परिसर आयोजन समिति के प्रमुख रमेश कुमार जैन और सुश्री पायल जैन ने संयुक्त रुप से बताया कि भादवा मेला में श्रद्धालुओं के देश व प्रदेश से पहुंचने के मद्देनजर अंतिम दिन के आयोजन के लिए सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। उन्होने भादवा मेला के अंतिम दिन आयोजित सभी कार्यक्रम में शामिल होकर श्रद्धालुओं से पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

निधन :श्रीमती विमला देवी सोनी

दुर्ग। दीपक नगर निवासी पार्षद मनोज सोनी की माता श्रीमती विमला देवी सोनी धर्म पत्नी स्वर्गीय श्याम बिहारी सोनी उम्र 81 वर्ष का निधन सोमवार 1 सितंबर को सुबह 7:30 बजे गाजीपुर उत्तर प्रदेश मे हो गया द्य उनका अंतिम संस्कार गृहग्राम गाजीपुर में किया जायेगा।

ग्राम करही महानदी में अवैध रेत उत्खनन जारी, शासन-प्रशासन मौन

- रेत माफियाओं के हौसले बुलंद माइनिंग विभाग की चुप्पी पर उठे सवाल

सक्ती (समय दर्शन)। जिले के हसौद तहसील अंतर्गत ग्राम करही महानदी में अवैध रेत उत्खनन का सिलसिला लगातार जारी है। रेत माफिया दिन-रात चैन माउंटेन मशीनों और हाइवा ट्रैक्टर-ट्रॉली के माध्यम से बिना किसी अनुमति के रेत का दोहन कर रहे हैं, जिससे न सिर्फ पर्यावरण को नुकसान हो रहा है, बल्कि राजस्व की भी भारी हानि हो रही है।

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि इस अवैध खनन की जानकारी माइनिंग विभाग, सहित स्थानीय प्रशासन को कई बार दी गई, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। जिससे रेत माफियाओं के हौसले और बुलंद हो गए हैं।

ग्रामीणों ने जताई नाराजगी- गांव के कुछ जागरूक नागरिकों ने बताया कि भारी वाहनों की आवाजाही से सड़कों की हालत भी बदतर हो चुकी है, और खेतों में मिट्टी कटाव की समस्या पैदा हो रही है। इसके अलावा नदी का प्राकृतिक स्वरूप भी खतरे में है।

प्रशासन की चुप्पी पर सवाल- जनता का यह भी कहना है कि प्रशासन की चुप्पी और माइनिंग विभाग की निष्क्रियता इस बात की ओर इशारा करती है कि कहीं न कहीं मिलीभगत की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

जनहित में मांग- ग्रामीणों ने शासन से मांग की है कि जल्द से जल्द इस अवैध उत्खनन पर रोक लगाई जाए, दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए और क्षेत्र में निगरानी बढ़ाई जाए।

खाद के लिए किसानों ने साँकरा नेशनल हाइवे किया जाम

साँकरा (समय दर्शन)। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ब्लॉक पिथौरा, जिला महासमुंद के नेतृत्व में किसानों ने एक सितम्बर को सांकरा नेशनल हाइवे जाम कर खाद के लिए प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन पिथौरा, ब्लॉक के किसानों को समितियों से अब तक यूरिया खाद उपलब्ध न होने तथा निजी दुकानदारों द्वारा मनमाने दामों पर खाद बेचने और जबरन लदान देने के विरोध में किया गया। वहीं बसना ब्लॉक के किसानों ने भी सूचना मिलने पर प्रदर्शन में शामिल हुए और वहाँ भी ऐसे ही स्थिति होने की जानकारी दी। किसानों का कहना है कि फसल अब अपने अंतिम चरण पर है, जिसके लिए यूरिया खाद अत्यावश्यक है, किंतु कई किसानों को एक बार भी खाद नहीं मिल पाया है। निजी दुकानदारों द्वारा की जा रही कालाबाजारी और मुनाफाखोरी से किसान बहुत परेशान हैं। संगठन ने मांग की है कि प्रशासन तत्काल सभी समितियों में पर्याप्त मात्रा में यूरिया खाद उपलब्ध कराए और निजी दुकानदारों पर सख्त कार्रवाई व पर डी एम ओ द्वारा चार में खाद उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है।

इसी के साथ किसानों ने एग्रीटेक किसान कार्ड बनाने में आ रही समस्याओं पर भी चिंता जताई। पुराने डेटा, कृषि भूमि संबंधी त्रुटियों तथा तकनीकी कारणों से कई किसानों का कार्ड अब तक नहीं बन पाया है। किसानों ने आशंका व्यक्त की है कि कार्ड न बनने की स्थिति में उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य (रूस्क्) पर अपनी उपज बेचने में कठिनाई हो सकती है। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने प्रशासन से मांग की है कि खाद संकट को तुरंत दूर किया जाए, एग्रीटेक किसान कार्ड की प्रक्रिया सरल व पारदर्शी बनाई जाए तथा किसानों की समस्याओं के समाधान हेतु शीघ्र कदम उठाए जाएं। प्रदर्शन में भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) छत्तीसगढ़ के महासचिव तेजराम विद्रोही, महासमुंद जिला पंचायत सदस्य जागेश्वर जुगनू चंद्राकर व मोक्ष प्रधान व जागेश्वर ब्लॉक संयोजक अजय साहू, समिति क्षेत्र सांकरा, सागुनदाब, भगतदेवरी, पिरदा, आरंगी, सलडीह, जगदीशपुर, सुखिपाली जेराभरन, परसवानी, बसना, सरायपाली के किसान नरोत्तम साहू, श्रीमती काति सागर, हितेश विशाल, ब्रजेश

खम्हारी, मोतीलाल पटेल, शरद चंद्र, पुरुषोत्तम भोई, अश्विनी प्रधान, भास्कर बारीक्, सुशील बढ़ई, मुरलीधर, गोवर्धन पटेल, धनुर्जाय पटेल, श्रीनिवास साहू, ललित कुमार खम्हारी, शेषदेव प्रधान, घनश्याम पटेल, मोतीलाल भोई, शम्भू शंकर साहू, विनोद मेहर, बिरेन्द्र प्रधान, तमेश प्रधान, अजय रात्रे, प्रशांत साहू, सुनील साहू, उमेश साहू, मदन प्रधान, टिकेश्वर प्रधान, हृदयानंद प्रधान, हेमचंद पटेल, पीताम्बर पटेल, आदि सहित एक हजार से ज्यादा किसान शामिल हुए।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर सेंट स्टीफेंस मॉडल स्कूल में बच्चों ने खो-खो में दिखाया दम

बसना (समय दर्शन)। राष्ट्रीय खेल दिवस, मेजर ध्यानचंद जयंती के अवसर पर, दिनांक 29अगस्त से विद्यालय में तीन दिवसीय इंटर हाउस खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस प्रतियोगिता में विद्यालय के सभी हाउसों के छात्रों ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

बालक वर्ग में फाइनल मुकाबला नेहरू (येलो हाउस)और नेताजी (रेड हाउस)और बालिका वर्ग में नेहरू(येलो हाउस) और टैगोर (ग्रीन हाउस) के बीच हुआ। दिनांक 01सितम्बर को बड़े ही रोमांचक मुकाबले के बाद बालक और बालिका दोनों वर्गों में नेहरू(येलो हाउस) ने जीत हासिल की।

इस खेल में बच्चों ने अपनी सूझ बुझ का शानदार प्रदर्शन किया। बेस्ट प्लेयर का खिताब उन्नति चौरसिया और शुभम शनि ने प्राप्त किया। विजेताओं को प्राचार्य ने पुरस्कृत किया एवं खेल दिवस का महत्व समझाया।

छात्रों में खेल भावना और प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा दिया। उन्होंने आगे कहा कि विद्यालय भविष्य में भी इस प्रकार के खेल आयोजन करता रहेगा। जिससे खेल व खिलाड़ी भावना

दिवंगत साहित्यिकार श्रीराम साहू अकेला की पुण्यतिथि पर पौधारोपण एवं काव्य-गोष्ठी

- श्रीराम साहू सूक्ष्मदृष्टि रखने वाले क्षणिका विधा के सशक्त हस्ताक्षर थे- स्वराज करुण
- क्षणिका एवं लघुकथा के सशक्त हस्ताक्षर श्रीराम साहू के पुण्य तिथि पर श्रीराम नर्सरी खटखटी मे काव्य पाठ

बसना (समय दर्शन)। साहित्य जगत में अपनी क्षणिका-कविताओं के लिए विशिष्ट पहचान रखने वाले दिवंगत कवि श्रीराम साहू 'अकेला' की प्रथम पुण्यतिथि पर साहित्यकारों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। यह आयोजन रविवार 31 अगस्त की शाम को खटखटी बसना स्थित बद्रीका आश्रम की नर्सरी में सम्पन्नु हुआ।इस श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन अंकुर साहित्य समिति बसना तथा कला कौशल साहित्य संगम जनसेवा संस्थान छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

आश्रम और नर्सरी के संस्थापक व साहित्यकार बद्री प्रसाद पुरोहित,जो कवि श्रीराम साहू के अभिन्न मित्र रहे हैं और उनके साथ शिक्षण कार्य किए प्रेमचन्द साव,ने पूरे आयोजन का नेतृत्व किया।

स्वर्गीय श्रीराम साहू मूलत: बसना के निकट ग्राम बंसूला के निवासी थे। अपने लेखन में उन्होंने सामाजिक विसंगतियों, मानवीय संवेदनाओं और समकालीन समस्याओं पर तीखे प्रहार किए। उनकी क्षणिकाओं का संग्रह 'डेढ़ इंच मुस्कान' पाठकों में विशेष रूप से लोकप्रिय रहा। वे लघुकथा लेखन में भी सक्रिय थे और स्थानीय साहित्यिक जगत में अपनी अलग छाप छोड़ गए।कार्यक्रम की शुरुआत उनके चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पगुच्छ अर्पित करके की गई। इसके पश्चात् उनके साहित्यिक योगदान,व्यक्तित्व और उनसे जुड़ी स्मृतियों को साझा किया गया।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में एक काव्य-गोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें कवि 'अकेला' को समर्पित रचनाएँ प्रस्तुत की गईं।इस अवसर पर बसना और पिथौरा क्षेत्र के अनेक साहित्यकार एवं कवि उपस्थित थे। इनमें बद्री प्रसाद पुरोहित, कुमार लोरीश,क्षीरोद्र पुरोहित,डिजेंद्र कुर्रे 'कोहिनूर',प्रेमचंद साव 'प्रेम', ललित भार, टिकेन्द्र साहू, टिकेलाल सामल, प्रवीण प्रवाह, स्वराज्य करुण,उमेश दीक्षित,बाल कवियित्री जिज्ञासा कुर्रे प्रमुख रहे। संचालन ग्राम जगदीशपुर के कुमार लोरीश ने किया।

विशेष उल्लेखनीय रहा कि इस अवसर पर फेसबुक पर साझा की गई स्वराज्य करुण की स्मृति-पोस्ट को भी पढ़कर सुनाया गया। उसमें सांध्य दैनिक 'छत्तीसगढ़' के प्रधान संपादक सुनील कुमार की टिप्पणी को उद्धृत किया गया। उन्होंने लिखा—

मुझे उनसे मुलाकात तो याद नहीं है, लेकिन पिछले कई दशकों में मेरे लिखे हुए पर उनके पोस्टकार्ड आते थे। बाद के बरसों में वह असहमति अधिक दर्ज करते थे, लेकिन फिर भी मुझको अच्छा लगता था कि बारीकी से पढ़कर उन्होंने लिखने की जहमत उठाई थी। मेरी श्रद्धांजलि।

इस अवसर पर श्रृंखला साहित्य मंच पिथौरा के अध्यक्ष, प्रसिद्ध गीतकार प्रवीण प्रवाह ने कहा कि उनकी छोटी रचनाओं में बड़ी बात का उल्लेख होता था। उपस्थित साहित्यकारों को उनके नाम से प्रति वर्ष एक कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे स्वराज करुण ने बताया कि श्रीराम साहू एक विनम्र, सूक्ष्मदृष्टि रखने वाले एवं क्षणिका विधा के सशक्त हस्ताक्षर थे। अतिथि उमेश दीक्षित ने कहा कि पुराने समय में यातायात के अभाव में भी उनका साहित्यिक गतिविधियों में सहभागिता अति प्रशंसनीय रहा। आयोजन के अंत में स्वर्गीय कवि की स्मृति को जीवंत रखने के उद्देश्य से नर्सरी परिसर में पौधरोपण किया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात को नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले ने नगरवासियों के साथ सुना

पाटन। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रेरणादायी संवाद मन की बात के 125वें संस्करण का सामूहिक श्रवण पाटन नगर पंचायत क्षेत्र में किया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष श्री योगेश निक्की भाले ने वार्ड क्रमांक-4 अखरा में नगरवासियों के साथ मन की बात का श्रवण कर प्रधानमंत्री जी के विचारों को आत्मसात किया। अध्यक्ष श्री योगेश निक्की भाले ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का 'मन की बात' कार्यक्रम केवल संवाद नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का पथप्रदर्शक है। यह कार्यक्रम हमें समाज और देश के लिए नई ऊर्जा, दिशा और संकल्प देता है। पाटन नगर के लिए गर्व की बात है कि नगरवासी एक साथ मिलकर इस प्रेरणादायी कार्यक्रम के सहभागी बने। प्रधानमंत्री जी के विचारों को आत्मसात कर हम सबको अपने-अपने स्तर पर समाज सेवा और जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय योगदान देना है। कार्यक्रम में नगर पंचायत उपाध्यक्ष निशा योगेश सोनी, वार्ड पार्षद एवं सभापति नेहा बाबा वर्मा, सभापति केवल देवांगन,बाबा वर्मा, नागेन्द्र कश्यप, अमित लोधी,आदित्य सावर्णी,खगेश देवांगन,यामिनी देवांगन,कौशल्या साहू, विजयलक्ष्मी वर्मा, डाकेश्वरी वर्मा,मेंहत्तरीन वर्मा,सीता वर्मा,रेखा साहू, डोमेन्द्र साहू, डोमन यादव, रेखलाल साहू, गावस्कर देवांगन,भगवती आडिल, योगेश्वर वर्मा सहित नगरवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

एन्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की अवैध मादक पदार्थ गांजा पर कार्यवाही

- लग्जरी कार में अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी करते 03 अन्तर्राज्जीय तस्कर पुलिस की गिरफ्त में

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुन्द जिला अंतर्गत सिंघोड़ा थाना क्षेत्र में गाँजा परिवहन करते आरोपीयों के कब्जे से 11 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमती 1,80,000 रूपये एवं 01 नग XUV कार क्रमांक RJ 25 UB 0012 कीमती 5,00,000 रूपये तथा 04 नग विभिन्न कंपनियों के मोबाईल कीमती 30500 रूपये कुल कीमती 7,10,500 रूपये जप्त की गयी।

एन्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की टीम एवं थाना सिंघोडा पुलिस की संयुक्त कार्यवाही।

एन्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की टीम के द्वारा अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी तथा इण्ड टू इण्ड एवं फाइनेंशियल इनवेस्टिगेशन ,सोर्स प्वाइंट, डेस्टिनेशन प्वाइंट पर प्रभावी कार्यवाही, स्त्रोत के बारे मे विस्तृत जानकारी लेकर उनके विरूद्ध विधिसंगत विधिवत कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था।

थाना सिंघोडा क्षेत्र में दिनांक 01 सितम्बर को मुखबिर से सूचना मिला कि तीन व्यक्ति एक सफेद कलर का XUV कार क्रमांक RJ 25 UB 0012 मे अवैध मादक गांजा रखकर उडिसा से छत्तीसगढ की ओर आ रहे है कि एन्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की टीम एवं थाना सिंघोडा पुलिस के द्वारा एन एच 53 रोड सिल्की ढाबा के सामने ग्राम गनियारीपाली आकर नाकाबंदी किया कुछ समय बाद मुखबीर के बताये हुलिया का एक सफेद कलर का XUV कार क्रमांक RJ 25 B 0012 आया जिसमे तीन व्यक्ति सवार थे जिससे नाम पता पूछने पर अपना नाम (01) दीपक शर्मा पिता ब्रजमोहन शर्मा उम्र 39 साल साकिन नारेडा थाना व जिला बारा राजस्थान, (02) सुरेंद्र कुमार पिता देवलाल उम्र 34 साल साकिन वार्ड नंबर 09 आमापुरा बारा थाना व जिला बारा राजस्थान, (03) महावीर सेन पिता सत्यानारायण सेन उम्र 35 साल साकिन कुंज बिहार कालोनी बारा थाना व जिला बारा राजस्थान का निवासी होना बताये

टीम के द्वारा पूछताछ करने पर गोलमोल जबाव देने लगे लगातार पूछताछ करने पर वाहन के पीछे डिक्की में एक प्लास्टिक बोरी में गांजा रखना स्वीकार किये। आरोपीयों के द्वारा उक्त गांजा को फुलवानी उडिसा से बारा राजस्थान ले जाना बताये। भारी मात्रा में गांजा का परिवहन करने पर आरोपियो के कब्जे से 11 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमती 1,80,000 रूपये, 01 XUV कार कीमती 5,00,000 रूपये एवं 04 नग मोबाईल कीमती 30500 रूपये कुल जुमला कीमती 7,10,500 रूपये जप्त कर थाना सिंघोड़ा अपराध धारा 20(ब) NDPS act. के तहत् कार्यवाही कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

यह सम्पूर्ण कार्यवाही एट्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की टीम एवं सिंघोडा पुलिस की टीम के द्वारा की गई।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26